RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:235 ता. 06 मार्च 2024, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

भोपाल सांसद प्रज्ञा बोलीं- भाजपा विधायक सुदेश राय चलाते हैं अवैध शराब की दुकान

भोपाल। लोकसभा चुनाव में टिकट न मिलने से नाराज सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने अपनी ही पार्टी के विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि भाजपा विधायक सुदेश राय खजुरिया में अवैध शराब की दुकान चला रहे हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि जब मुझे प्रशासन के लोगों ने इस दुकान की जानकारी दी तो काफी शर्मिंदगी महसूस हुई। मैं इस दुकान पर कार्रवाई जरुर करुंगी। इससे पहले साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने आगामी लोकसभा चुनाव में टिकट न मिलने पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था कि 2019 में ही पीएम मोदी ने कहा था वह मेरे द्वारा दिए गए बयानों से खुश नहीं हैं। उन्होंने सूचित भी किया था कि मुझे माफ नहीं किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के दिग्गज कांग्रेस नेता पूनिया थामेंगे, भाजपा का कमल?

लखनऊ । कांग्रेस को जल्द ही उत्तर प्रदेश में एक बड़ा झटका लगने जा रहा है। कांग्रेस के दिग्गज नेता पीएल पुनिया कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में प्रवेश लेने जा रहे हैं। पीएल पुनिया को भारतीय जनता पार्टी, बाराबंकी से लोकसभा का चुनाव लडाएगी। पहले भी बाराबंकी से पूनिया सांसद रह चुके हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य अमित शाह और उत्तर प्रदेश के चाणक्य सुनील बंसल के साथ पीएल पुनिया की बातचीत हो चुकी है। जल्द ही पीएल पूनिया बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। कांग्रेस के लिए उत्तर प्रदेश में यह एक बड़ा झटका होगा। उत्तर प्रदेश की कई लोकसभा सीटों में भाजपा को जिताऊ कैंडिडेट नहीं मिल रहे हैं जिसके कारण विपक्षी दलों के नेताओं को लाकर, भाजपा उन्हें सांसद का टिकट देकर चुनाव लड़ा रही है। हाल ही में जौनपुर से कांग्रेस नेता कृपा शंकरसिंह को टिकट दी गई है। वह भी महाराष्ट्र में कांग्रेस के एक दिग्गज नेता तथा पूर्व गृह राज्य मंत्री थे। अब उत्तर प्रदेश में पीएल पूनिया को बाराबंकी से टिकट देने की बात सामने आई है।

कार्यालय खाली करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पार्टी सम्मान करती : आप

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि वह दिल्ली के राउज एवेन्यू स्थित अपने कार्यालयों को 15 जून तक खाली करने के शीर्ष अदालत के आदेश का सम्मान करती है और उम्मीद जाहिर की पार्टी को उसी इलाके में भूमि का आवंटन शीघ्र क्रिया जाएगा। यह देखकर कि आप को जमीन पर बने रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है, सुप्रीम कोर्ट ने आप पार्टी को 15 जून तक कार्यालय खाली करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि यह भूखंड न्यायिक अवसंरचना के विस्तार के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय को आवंटित किया गया था। भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आप से कहा कि वह अपने लिए भूमि आवंटन के लिए केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के भूमि एवं विकास कार्यालय से संपर्क करें। आप की मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया है कि केंद्र के भूमि एवं विकास कार्यालय (एल एंड डी ओ) को जल्द से जल्द आप के कार्यालय के लिए वैकल्पिक भूमि आवंटित की जाए।

नाना की किसानों से अपील, कुछ मांगे नहीं बल्कि तय करें कि किसकी सरकार चाहिए

नासिक । देश में चल रहे किसान आंदोलन में बॉलीवुड अभिनेता नाना पाटेकर की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने बड़ा बयान देकर किसानों का सपोर्ट किया है। नाना ने किसानों से अपना फैसला लेकर सरकार चुनने की बात कही है। नाना का कहना है कि अब वक्त है कि किसान कुछ मांगे नहीं बल्कि तय करें कि उन्हें देश में किसकी सरकार चाहिए है। उन्होंने अपने राजनीति में आने को लेकर भी जवाब दिया है। नाना हमेशा से अपने ओपिनियन को लेकर मुखर रहे हैं। इस बार उन्होंने किसानों का पक्ष लेकर कहा, 80-90 प्रतिशत पहले किसान थे, अब किसान 50 प्रतिशत हैं। नाना ने दो टूक कहा कि मैं राजनीति में नहीं जा सकता क्योंकि जो पेट में है, वहीं मुंह पर आ जाएगा। वे मुझे पार्टी से बाहर कर देने वाले हैं। पार्टियां बदलते बदलते एक महीने के अंदर सारी पार्टियां खत्म हो जाएगी।

नाना ने कहा, अगर मैं आत्महत्या भी कर लूं, तब भी मैं किसान के रूप में ही जन्म लूंगा, किसान कभी यह नहीं कहेगा कि मैं किसान के रूप में जन्म नहीं लेना चाहता हूं।

किसानों के समर्थक नाना

बता दें, नाना हमेशा ही किसानों के सपोर्ट में दिखाते हैं। वे खुद को किसानों का बड़ा हितैषी बताते हैं। नाना ने पहले भी किसानों के द्वारा लगातार आत्महत्या पर अफसोस जताया था। उन्होंने कहा था कि किसान भाई आत्महत्या ना करें, बल्कि उन्हें फोन करें। नाना के मुताबिक उन्होंने आर्थिक हालात में आत्महत्या करने वाले किसानों की 180 विधवाओं को 15-15 हजार रुपए की मदद भी दी थी।

वो कहते फैमिली फर्स्ट, मोदी कहता नेशनल फर्स्ट

-तेलंगाना रैली में परिवारवाद को लेकर पीएम मोदी ने विपक्ष पर किया प्रहार

हैदराबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के संगारेड्डी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए परिवारवाद को लेकर विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और कहा कि मेरा देश ही मेरा परिवार है। उन्होंने कहा, वो कहते हैं- फैमिली फर्स्ट, मोदी कहता है- नेशन फर्स्ट।

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना में जनसभा को संबोधित करते हुए परिवार को लेकर लालु यादव द्वारा की गई टिप्पणी पर पलटवार किया और विपक्ष पर खूब प्रहार किए हैं। उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा- 'वो कहते हैं- फैमिली फर्स्ट, मोदी कहता है- नेशन फर्स्ट। उनके लिए उनका परिवार सब कुछ और मेरे लिए देश का हर परिवार सब कुछ है। पीएम मोदी ने कहा कि इन्होंने अपने परिवार हित की खातिर देशहित को बलि चढ़ा दिया। मोदी ने देशहित की खातिर खुद को खपा दिया है।

गौरतलब है कि पीएम मोदी संगारेड्डी में सौगात देने के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने कहा कि आज 140 करोड़ देशवासी विकसित भारत का निर्माण करने के लिए संकल्पबद्ध हैं। अब जबकि विकसित भारत के लिए आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है अत-इस साल के बजट में हमने इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि तेलंगाना को इसका अधिक से अधिक लाभ मिले।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी जानते हैं कि मोदी जो कहता है, वो करके दिखाता है। मैंने आपसे कहा था, हम सब मिलकर भारत को विश्व में नई ऊंचाई पर ले जाएंगे और आज आप देख रहे हैं कि भारत किस तरह पूरे विश्व में आशा की किरण बनकर नई ऊंचाई छू रहा है। उन्होंने आगे कहा कि हमने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने को कहा और यह वादा भाजपा ने पूरा करके दिखाया। आज मैं आपको एक गारंटी देता हूं कि अगले कुछ वर्षों में भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएंगे। यह वादा भी पूरा होगा क्योंकि यह मोदी की गारंटी है।

सीएआरओ से हैदराबाद को मिलेगी नई पहचान : पीएम मोदी

संगारेड्डी (तेलंगाना) । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि नागरिक उड्डयन अनुसंधान संगठन (सीएआरओ) से केंद्र के साथ आगामी दिनों में हैदराबाद और तेलंगाना को भी नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश में अपनी तरह का पहला विमानन केंद्र, जो बेगमपेट हवाई अड्डे पर खुला है, विमानन स्टार्टअप, अनुसंधान और कौशल विकास के लिए एक मंच प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सीएआरओ विमानन क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। उन्होंने कहा, 'एविएशन सेक्टर में भारत नित दिन नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। देश में पिछले 10 सालों में एयरपोर्ट की संख्या दोगुनी हो चुकी है और इस क्षेत्र में लगातार रोजगार के नए साधन सृजित हो रहे हैं। ऐसे में सीएआरओ आगामी दिनों में रोजगार के नए साधन पैदा करेगा।' तेलंगाना दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएआरओ को देश को समर्पित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने 72,00 करोड़ की कई विकास परियोजनाओं की नींव रखी। इन परियोजनाओं में रोड, रेल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस शामिल है। भारतीय विमानपतन प्राधिकरण ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को उन्नत और बढ़ाने के लिए 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से सीएआरओ की स्थापना की है। इसकी परिकल्पना स्वदेशी और नवीन समाधान प्रदान करने के लिए घरेलू और सहयोगी अनुसंधान के माध्यम से विमानन समुदाय के लिए एक वैश्विक अनुसंधान मंच प्रदान करने की है।

योगी कैबिनेट का हुआ विस्तार, राजभर समेत 4 ने ली मंत्री पद की शपथ

लखनऊ (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा से कुछ दिन पहले यूपी कैबिनेट में नए मंत्रियों को शामिल कर चुनाव साधने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया गया है। इसी के साथ बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार को जामा पहनाते हुए एक बार फिर ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बना दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार का कैबिनेट विस्तार मंगलवार 5 मार्च को किया गया। राजभवन में आयोजित शपथग्रहण समारोह में ओम प्रकाश राजभर ने योगी कैबिनेट में एक बार फिर मंत्री पद की शपथ ली है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से उन्हें मंत्री बनाए जाने के कयास लगाए जा रहे थे। ऐसे में सत्तारूढ़ भाजपा से नाता तोड़ने और सरकार छोड़ने के 5 साल बाद ओपी राजभर को एक बार फिर योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में जगह मिल गई है। वहीं दारा सिंह चौहान को भी योगी कैबिनेट में मंत्री बनाया गया है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के पिछले चुनाव से पहले दारा सिंह चौहान बीजेपी छोड़ सपा में शामिल हो गए थे। इसके बाद वह फिर से विधायक पद से इस्तीफा देकर बीजेपी में वापसी की थी और घोसी सीट से उपचुनाव लड़े थे, लेकिन वो चुनाव हार गए थे। इसके चलते अब वो भाजपा से विधानपरिषद सदस्य हैं और उन्हें योगी कैबिनेट में भी जगह मिल गई है। वहीं सुनील शर्मा भी योगी मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शामिल हुए हैं। शर्मा ने 2017 और 2022 के यूपी चुनाव में गाजियाबाद की साहिबाबाद सीट से रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल की थी। आरएलडी के पुरकाजी विधायक अनिल कुमार भी योगी सरकार में मंत्री बनाए गए हैं। हाल ही में रालोद ने एनडीए के साथ गठबंधन की घोषणा की है और उसी के चलते अनिल कुमार को मंत्रीमंडल में शामिल किया गया है। आज मंगलवार को योगी सरकार में शामिल हुए चारों लोगों ने यूपी राजभवन में आयोजित समारोह में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

चुनाव में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं, बंगाल प्रशासन को निष्पक्ष रहने का निर्देश: सीईसी राजीव कुमार

कोलकाता। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में किसी भी प्रकार की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पश्चिम बंगाल के प्रशासन को सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। कुमार ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग का लक्ष्य राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा मुक्त चुनाव कराना है। उन्होंने कहा, 'चुनाव में डर या धमकी के लिए कोई जगह नहीं है। हमने स्पष्ट कर दिया है कि चुनाव के दौरान प्रशासन का पक्षपातपूर्ण रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष तरीके से पर्याप्त केंद्रीय बलों को तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षकों को बार-बार यह बताया गया है कि यदि डराने-धमकाने की कोई शिकायत आती है तो उन्हें तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। कुमार ने कहा, 'उन्होंने हमें आश्वासन दिया है कि वे ऐसा ही करेंगे। अगर वे कार्रवाई नहीं करते हैं, तो हम जानते हैं कि उन्हें कार्रवाई कराने के लिए हमें क्या करने की जरुरत है।' कुमार ने कहा, 'पुलिस अधिकारियों को निष्पक्ष रहने और जिला स्तर पर सभी राजनीतिक दलों के लिए उपलब्ध रहने का निर्देश दिया गया है।'

बीजेपी अध्यक्ष नड्डा ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने महज 13 दिन के बाद ही राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। कहा जा रहा है कि उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा इसलिए दिया है क्योंकि उन्हें लोकसभा चुनाव लड़ना है। जेपी नड्डा के इस्तीफे को राज्यसभा चेयरमैन ने स्वीकार भी कर लिया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। फिलहाल यह तय नहीं है कि वो किस सीट से चुनाव लड़ेंगे, इसका ऐलान अभी नहीं किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने को राज्यसभा चेयरमैन ने स्वीकार भी कर लिया है। गौरतलब है कि जेपी नड्डा 13 दिन पहले ही 20 फरवरी को गुजरात से निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुने गए थे। श्री नड्डा लोकसभा चुनाव लड़ेंगे और किस सीट से लड़ेंगे इसका ऐलान फिलहाल नहीं किया गया है।

नीतीश ने बिहार विधान परिषद में पुन: मनोनयन के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य विधान परिषद में फिर से मनोनयन के लिए मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। नीतीश ने लगातार चौथी बार विधान परिषद की सदस्यता के लिए नामांकन दाखिल किया है।

उन्होंने सत्तारूढ़ उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा तथा जद (यू) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह समेत राजग नेताओं की की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कुमार के अलावा, उनके कैबिनेट सहयोगी संतोष सुमन और जदयू एमएलसी खालिद अनवर ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर सुमन के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री एवं हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी भी उपस्थित थे।

निर्वाचन आयोग ने राज्य विधान परिषद की 11 सीटों के द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा की है जिनका कार्यकाल मई में समाप्त हो रहा है। इनमें से चार पर जद (यू) का कब्जा था, हालांकि विधानसभा में उसका संख्या बल कम होने के बाद पार्टी ने दो सीटों पर अपना दावा छोड़ दिया है। कुमार और अनवर के अलावा, जद (यू) के जिन लोगों का कार्यकाल समाप्त होने वाला है, उनमें संजय कुमार झा हैं, जो हाल ही में राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। इनमें रामेश्वर महतो भी हैं जो इस बार उम्मीदवार नहीं हैं।

भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, हालांकि सम्राट चौधरी, जो पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, ने कहा, 'हम चार सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, एक सीट अपने सहयोगी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) के लिए छोड़ेंगे।' जिन सीटों पर चुनाव की घोषणा हुई है उनमें से तीन पर भाजपा के सदस्य थे। शेष सीटों में से दो पर राजद की राबड़ी देवी (पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में विधान परिषद में विपक्ष की नेता) और राम चंद्र पूर्वे हैं। पूर्वे उच्च सदन के उप सभापति हैं। एक सीट कांग्रेस के प्रेम चंद्र मिश्रा के पास है। नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 11 मार्च को समाप्त होगी और नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 14 मार्च निर्धारित की गई है। मतदान 21 मार्च को होना है।

सीएम स्टालिन का पीएम मोदी पर हमला, बाढ़ राहत का पैसा दे, फिर चुनावी दौरा करते रहे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर प्रदेश के हितों की अनदेखी करने और बाढ़ राहत के लिए एक भी पैसा नहीं देने पर और लोकसभा चुनाव से पहले लोगों से वोट मांगने तथा यहां की वास्तविक मांगों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है।

सीएम स्टालिन ने कहा कि श्री मोदी की चाल काम नहीं करेगी और लोग ऐसी रणनीति से धोखा नहीं खाएंगे। उन्होंने कहा, उन्हें दौरा करने दीजिए। हमें कोई परेशानी नहीं है। लेकिन पहले केंद्र को बाढ़ राहत के लिए राज्य द्वारा मांगी गई धनराशि (37,000 करोड़ रुपये) जारी करने दें, फिर वोट मांगने के लिए दौरा कीजिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पिछले साल दिसंबर में दो आपदाओं चेन्नई और तीन पड़ोसी जिलों में और उसके बाद थूथुकुडी, तिरुनेलवेली और तेनकासी में अभूतपूर्व बारिश के बाद बाढ़ राहत के लिए 37,000 करोड़ रुपये जारी करने के हमारे अनुरोध को नजरअंदाज कर दिया। श्री स्टालिन ने पीएम मोदी की यह कहकर आलोचना की कि एक रुपया भी जारी नहीं किया, लेकिन वे सत्ता बरकरार रखने के लिए तमिलनाडु की जनता से वोट चाहते हैं। उन्होंने जोर दिया कि वे तमिलनाडु के लोगों को धोखा नहीं दे सकते जो हमेशा द्रविड़ मॉडल सरकार के पक्ष में खड़े हैं, जो राज्य के अधिकारों और विकास के लिए काम करती है। उन्होंने 308.88 करोड़ रुपये की कुल लागत से लगभग 70 पूर्ण परियोजनाओं का वस्तुतः उद्घाटन करने और मयिलादुथुरई, नागापट्टिनम और तिरुवरुर जिलों में 80.62 करोड़ रुपये की 40 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद, उन्होंने 12,653 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 143.46 करोड़ रुपये की कल्याण सहायता भी वितरित की।

राहुल गांधी ने पचोर, सारंगपुर, शाजापुर टंकी चौराहा से एचपी पेट्रोल पंप तक रोड शो किया

शाजापुर (एजेंसी)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज शाजापुर में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जब हमारी सरकार थी और डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तो हमने मनरेगा दिया। मनरेगा में एक साल में 65000 करोड रुपए देने होते हैं इससे कई सारे मजदूरों की स्थिति सुधरी, मनरेगा की सफलता के बाद हमारे पास किसान आए और उन्होंने मदद का आग्रह किया तो हमने किसानों का कर्ज माफ कर दिया, 70000 करोड रुपए उसका खर्च आया। वहीं नरेंद्र मोदी ने 16 लाख करोड रुपए उद्योगपतियों का माफ कर दिया, इसका अर्थ यह हुआ कि उन्होंने 24 साल का मनरेगा का बजट 22 उद्योगपतियों को दे दिया। आज 22 लोग हैं जिनके पास देश का 50 प्रतिशत धन है। मोदी जी ने 16 लाख करोड रुपए व्यापारियों के माफ कर दिए हैं, लेकिन किसानों का 1 रुपया भी माफ नहीं किया।

राहुल गांधी ने कहा कि 50 प्रतिशत पिछड़े, 15 प्रतिशत दलित एवं 8 प्रतिशत आदिवासी, अल्पसंख्यक एवम सामान्य गरीब मिलाकर 90 प्रतिशत होते हैं, उनकी भागीदारी नगण्य है। किसी बड़ी कंपनी की लिस्ट निकालो जितनी बड़ी कंपनियों की लिस्ट में उनके मालिकों में एक नाम भी इस 90 प्रतिशत वर्ग के लोगों का नहीं है, उनके सीनियर मैनेजमेंट में भी एक नाम नहीं, मीडिया के मालिकों में भी इस 90 प्रतिशत वर्ग का एक भी नाम नहीं, ब्यूरोक्रेसी में देखें तो 90 लोग जो कि आईएएस अधिकारी हैं, उसमें से केवल तीन ओबीसी, एक आदिवासी एवं तीन दलित हैं। जब बजट आता है तो 100 में से 6 रुपए का केवल ये लोग फैसला करते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जीएसटी 90 प्रतिशत लोग देते हैं, लेकिन जेब 20 अमीर उद्योगपतियों की भरती है, इन समस्याओं से निजात पाने का तरीका है, जाति आधारित जनगणना। अग्नि वीर योजना की बजह से आज गरीब के पास सरकारी सेवा में जाने का रास्ता बंद है, पीएसयू कांग्रेस लायी, बीएसएनएल, हिंदुस्तान पेपर यह सब कांग्रेस ने बनाया, मोदी जी ये सब उद्योगपतियों को दे रहे हैं। श्री गांधी ने कहा की जिस तरह हाथ टूट जाए तो उसका एक्स-रे किया जाता है उसी तरीके से जाति आधारित जनगणना समाज का एक्स-रे है, हमने जब इस क्रांतिकारी राजनीतिक कदम की बात की तो मोदी जी ने कहा कि वे सिर्फ 4 जातियां जानते हैं, मैं आपसे कहना चाहता हूं कि वे सिर्फ 20-22 उद्योगपतियों की मदद करना चाहते हैं आपकी नहीं। श्री गांधी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने लोगों को धर्म, जाति और प्रदेश की राजनीति में बांट दिया है। कांग्रेस पार्टी यह सुनिश्चित कर रही है कि सब लोग एक साथ आए। भाजपा की विचारधारा नफरत की विचारधारा है और हमारी विचारधारा नफरत के खिलाफ मोहब्बत की दुकान की विचारधारा है। श्री गांधी ने आगे कहा कि इस यात्रा में हमने एक और शब्द जोड़ दिया है और वह शब्द है ''न्याय क्योंकि हमारी यात्रा का मकसद हर वर्ग को 'न्याय' दिलाने का है। इसलिए हम भारत जोड़ो न्याय यात्रा निकाल रहे हैं।

गया में सेना का एयरक्राफ्ट विमान गिरा, दोनों पायलट सुरक्षित

गया, । बिहार में गया जिले के बोधगया प्रखंड के बगदाहा गांव के बधार में आज सेना का माइक्रो एयरक्राफ्ट विमान अचानक गिर गया। सूत्रों ने बताया कि गया के पहाड़पुर गांव के समीप स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (ओटीए) से ट्रेनिंग के दौरान माइक्रो एयरक्राफ्ट विमान ने उड़ान भरी, लेकिन थोड़ी ही देर बाद तकनीकी खराबी के कारण विमान बगदाहा गांव के गेहूं के खेत में गिर गया। विमान में एक महिला और एक पुरुष पायलट सवार थे। सूत्रों ने बताया कि ग्रामीणों ने दोनों पायलट को विमान से बाहर निकाला। इसके बाद पायलट के द्वारा इसकी सूचना ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी को दी गई। अकादमी के अधिकारी मौके पर पहुंचकर विमान को वापस लेकर चले गये।

एनआईए ने बेंगलुरु विस्फोट मामले में छापेमारी की

चेन्नई। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गत एक मार्च को कर्नाटक के बेंगलुरु में रामेश्वर कैफे में हुए विस्फोट के मामले में मंगलवार को चेन्नई एवं रामनाथुरुम जिले में छापे मारे। रिपोर्ट के मुताबिक करीब चार-पांच जगहों पर छापेमारी की जा रही है। एनआईए अधिकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर औपचारिक मामला दर्ज करके जांच अपने हाथ में लेने के एक दिन बाद, यह पता लगाने के लिए छापेमारी की कि बेंगलुरु कैफे विस्फोट के तमिलनाडु के किसी संगठन से कोई संबंध है या नहीं। प्रारंभिक जांच में विस्फोट में कर्नाटक के बाहर के लोगों के साथ कुछ संदिग्ध संबंधों की संलिप्तता का पता चला है, जिसके कारण केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जांच एनआईए को सौंपी। उत्तरी चेन्नई के मन्नाडे और मुथियालपेट और दक्षिणी रामनाथपुरम जिले में भी छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उस अपराधी की पहचान कर ली है जिसने उस कैफे में आईईडी से भरा बैग रखा था, उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अधिकारियों को विस्फोट स्थल से बस में यात्रा करने वाले अपराधी के कर्नाटक से किसी पड़ोसी राज्य में भाग जाने का भी संदेह है।

शादी समारोह में पहुंचे छतरपुर के बसपा नेता की गोली मारकर हत्या

छतरपुर। शादी समारोह में शामिल होने मैरिज गार्डन पहुंचे बसपा नेता महेंद्र गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनके साथ गनमैन जब तक अपनी बंदूक लोड करता तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने बताया कि महेंद्र गुप्ता को सोमवार रात सागर रोड पर एक मैरिज गार्डन के पास सिर में गोली मार दी गई एसपी ने कहा, महेंद्र गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई थी और आरोपी अपराध स्थल से भाग गया। महेंद्र गुप्ता के निजी सुरक्षा गार्ड अब्दुल मंसूरी ने कहा कि उन्हें मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति ने गोली मार दी। मंसूरी ने कहा कि जब तक वह जवाबी कार्रवाई करने के लिए अपनी राइफल लोड कर पाते, तब तक हमलावर भाग गया। उन्होंने कहा कि हमलावर को देखा है और उसे पहचान सकते हैं। घटना के वक्त बसपा नेता एक शादी समारोह में शामिल होने छतरपुर आए थे। ईशानगर कस्बे के निवासी गुप्ता ने 2023 का विधानसभा चुनाव बिजावर सीट से बसपा के टिकट पर लड़ा और 10,400 वोट पाकर तीसरा स्थान हासिल किया।

मुख्यमंत्री योगी की बड़ी कार्रवाई :भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को हटाया गया, राजीव कृष्ण को मिली जिम्मेदारी

लखनऊ । यूपी पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा को पद से हटा दिया है। रेणुका मिश्रा की जगह अब आईपीएस राजीव कृष्ण को भर्ती बोर्ड की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। यूपी में 60 हजार से ज्यादा सिपाही भर्ती में 48 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी। योगी सरकार पेपर लीक होने के मामले में लगातार कड़े एक्शन ले रही है। हालांकि पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले की गठित आंतरिक जांच कमेटी ने अब तक कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी है। यूपी पुलिस पेपर लीक मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई है। इससे पहले पेपर भी सरकार ने आरओ-एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा निरस्त करने के बाद बड़ा ऐक्शन लेते हुए यूपी लोकसेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक अजय कुमार तिवारी को पद से हटा दिया था। पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले की गठित आंतरिक जांच कमेटी ने अब तक कोई रिपोर्ट नहीं सौंपी है। रिपोर्ट के आधार पर ही भर्ती बोर्ड को एफआईआर करानी थी। बता दें कि 17 और 18 फरवरी को प्रदेश भर में सिपाही भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। जिसके बाद व्हाट्सएप पर पेपर लीक होने की बात सामने आई थी। पहले तो पुलिस की तरफ से इसे अफवाह बताया गया। लेकिन अभ्यर्थियों के विरोध को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परीक्षा रद्द कर कर कहा कि वे ऐसी कार्रवाई करेंगे जो नजीर बनेगी। गौरतलब है की यूपी में 60 हज़ार से ज्यादा सिपाही भर्ती में 48 लाख से ज्यादा अभ्यर्थी शामिल हुए थे। पेपर लीक के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई और अगले 6 महीने में फिर से लिखित परीक्षा का आयोजन किया जाना है।

माओवादियों से संबंध मामले में डीयू के पूर्व प्रोफेसर साईंबाबा बरी

-बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उम्रकैद की सजा रद्द कर दिया बड़ा फैसला

नागपुर। माओवादियों से संपर्क रखने के मामले में उम्र कैद की सजा पाए दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को बॉम्बे हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। दरअसल बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने पूर्व प्रोफेसर साईबाबा को बरी करते हुए उनकी उम्रकैद की सजा को रद्द कर दिया है। जस्टिस विनय जोशी और जस्टिस एसए मेनेजेस की डबल बेंच ने इस मामले के पांच अन्य आरोपियों को भी बरी करने का फैसला सुनाया है। माओवादियों से संबंध मामले में फैसला देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि इस मामले के सभी आरोपियों को वह बरी करती है, क्योंकि अभियोजन पक्ष उनके खिलाफ उचित संदेह से परे मामला साबित करने में विफल रहा है। पूर्व प्रोफेसर साईबाबा के अतिरिक्त जिन लोगों को कोर्ट ने बरी किया है, उनमें हेम मिश्रा, महेश तिर्की, विजय तिर्की, नारायण संगलिकर, प्रशांत राही और पांडु नैरोट के नाम शामिल हैं। इनमें से पांडु नैरोट की मृत्यु हो चुकी है। मामले की सुनवाई कर रही पीठ ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधानों के तहत आरोप लगाने के लिए अभियोजन पक्ष द्वारा प्राप्त की गई मंजूरी को भी अमान्य करार दिया है। गौरतलब है कि हाईकोर्ट की ही एक अन्य बेंच ने 14 अक्टूबर, 2022 को इस बात का संज्ञान लेते हुए पूर्व प्रोफेसर साईबाबा को बरी कर दिया था कि यूएपीए के तहत वैध मंजूरी के अभाव में मुकदमे की कार्यवाही 'अमान्य' थी। इस पर महाराष्ट्र सरकार ने फैसले को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने आदेश पर रोक लगा, बाद में अप्रैल 2023 में उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द कर दिया और साईबाबा द्वारा दायर अपील पर नए सिरे से सुनवाई करने का निर्देश दिया था।

259 अवैध प्रवासियों को मणिपुर से निकाला- सीएम बीरेन सिंह

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि पिछले साल 3 मई को राज्य में शुरू हुए जातीय संघर्ष के बाद से मणिपुर में पाए गए 6,746 अवैध म्यांमार प्रवासियों में से 259 को उनके बायोमेट्रिक्स ?योरा दर्ज करने के बाद 27 फरवरी तक उनके देश वापस भेज दिया गया है। विधानसभा के पटल पर विधायकों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित बाकी 6,487 शरणार्थी, जो 1 फरवरी, 2021 को म्यांमार में सैन्य जुंटा द्वारा सत्ता पर कब्जा किए जाने के बाद मणिपुर भाग आए थे, उन्हें अस्थायी रूप से आश्रय गृह में रखा गया। सिंह ने सदन को बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं कि प्रवासी स्थानीय लोगों से न मिलें।

अमित शाह का कांग्रेस पर वार, बोले- 19 बार लॉन्च हुआ 'राहुलयान', 20वीं बार प्रयास जारी

जलगांव (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह महाराष्ट्र दौरे पर है। उन्होंने जलगांव में युवा सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने कहा कि आने वाला चुनाव 2047 में आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने का चुनाव है। ये चुनाव भारत के युवाओं और भारत के भविष्य का चुनाव है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा को वोट का मतलब - युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को वोट, भाजपा को वोट मतलब - महान भारत की रचना को वोट, भाजपा को वोट का मतलब - मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट।

अमित शाह ने कहा कि आपमें से जो लोग पहली बार वोट करेंगे, मैं उन युवा साथियों से विशेषकर कहने आया हूं कि आप अपना वोट उस पार्टी को दीजिएगा जो पार्टी भारत माता को विश्वगुरु के स्थान पर बैठा पाए, महान भारत की रचना कर पाए। अपना वोट लोकतंत्र को मजबूत करने वाली पार्टियों को दीजिए। उन्होंने कहा कि मोदी जी की खिलाफत करने वाली घमंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां परिवारवादी पार्टियां हैं। सोनिया गांधी को राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है। उद्धव ठाकरे को आदित्य ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाना है। शरद पवार जी को बेटी को मुख्यमंत्री बनाना है। ममता दीदी को भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है। स्टालिन को अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है।

शाह ने सवाल करते हुए कहा कि क्या वे पार्टियाँ जिनके अंदर कोई लोकतांत्रिक मूल्य नहीं हैं, बल्कि परिवारवाद के दर्शन पर चलती हैं, देश के लोकतंत्र को बचा सकती हैं? उन्होंने कहा कि मोदी जी ने 10 साल के अंदर space से लेकर सेमी कंडक्टर तक, डिजिटल से लेकर ड्रोन तक,एआई से लेकर वैक्सीन तक और 5जी से लेकर फिनटेक तक हर क्षेत्र में युवाओं के लिए दरवाजे खोलने का काम किया। उन्होंने कहा कि मोदी जी भविष्य के भारत के लिए तैयार हैं। 2030 तक दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनना है। 2035 तक अंतरिक्ष में स्टेशन स्थापित करना है। 2036 में ओलंपिक की मेजबानी करनी है और 2040 में चंद्रमा पर भारतीय को भेजकर मून मिशन को पूरा करने का काम मोदी जी ने तय कर लिया है।

उन्होंने कहा कि एक ओर पीएम मोदी चंद्रमा पर चंद्रयान लॉन्च कर रहे हैं। दूसरी ओर सोनिया गांधी 20वीं बार राहुल बाबा को लॉन्च करने की कोशिश कर रही हैं। यह 'राहुलयान' 19 बार लॉन्च हुआ पर पहुंचा ही नहीं, अब 20वीं बार प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 3 पहियों की ऑटो चलती है, जिसका नाम महाविकास अघाड़ी है। इस ऑटो के तीनों पहिए पंचर हैं, आप मुझे बताओ ये पंचर वाली ऑटो महाराष्ट्र का विकास कर सकती है क्या? एकनाथ जी और देवेंद्र जी के नेतृत्व में भाजपा ही महाराष्ट्र का विकास कर सकती है।

अचानक कोर्ट पहुंचीं जयाप्रदा, तीन घंटे कठघरे में खड़ा रहना पड़ा

रामपुर। चुनाव आचार संहिता उल्लंघन से जुड़े दो मामलों में फरार घोषित पूर्व सांसद और अभिनेत्री जयाप्रदा यूपी की रामपुर अदालत में पेश हुईं। जहां बाद में उन्हें सशर्त जमानत दे दी गई। कोर्ट ने जयाप्रदा के खिलाफ जारी किए वारंट वापस ले लिए। दरअसल, सोमवार को सुनवाई के दौरान जया प्रदा अचानक कोर्ट पहुंची थीं इसके बाद वह सुनवाई के लिए जज के सामने पेश हुईं। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सबसे पहले उन्हें न्यायिक हिरासत में लिया। नतीजा ये हुआ कि उन्हें कुछ देर तक कठघरे में खड़ा रहना पड़ा। वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने कहा- उनकी (जया प्रदा) याचिका पर विचार करते हुए कि वह अस्वस्थ हैं, अदालत ने बाद में उन्हें सशर्त जमानत दे दी और उन्हें 20,000 रुपये की दो जमानत राशि जमा करने का आदेश दिया। उन्होंने (जया प्रदा) अदालत को आश्वासन दिया कि वह प्रत्येक सुनवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से उसके समक्ष उपस्थित होंगी और उपस्थिति से छूट के लिए कोई आवेदन दायर नहीं किया जाएगा। अदालत के 27 फरवरी के आदेश के बाद जिसमें पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कहा गया था, जया प्रदा ने अपने खिलाफजारी गैर-जमानती वारंट को रद्द करने की मांग करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। हालांकि , अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। बता दें कि जया प्रदा 2019 के लोकसभा चुनाव में रामपुर से भाजपा की उम्मीदवार थी। इस चुनाव में वह समाजवादी पार्टी के आजम खान से हार गई थीं। जया प्रदा 2004 और 2009 में समाजवादी पार्टी के टिकट पर रामपुर से लोकसभा के लिए चुनी गईं। लेकिन बाद में पार्टी ने उन्हें निष्कासित कर दिया था। इन मामलों में विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने कई बार समन जारी किया था लेकिन पूर्व सांसद अदालत में पेश नहीं हुईं। इसके बाद उनके खिलाफसात बार गैर जमानती वारंट जारी हुए, मगर पुलिस उन्हें कोर्ट में पेश नहीं कर सकी। 27 फरवरी को अदालत ने जया प्रदा को फरार घोषित कर दिया। साथ ही पुलिस को उन्हें गिरफ्तार करने और 6 मार्च को उनके सामने पेश करने का निर्देश दिया।

कर्नाटक में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे पर भड़के जेपी नड्डा, पूछा- क्या यही है राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का मकसद?

बेलगावी (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा अपने मिशन दक्षिण में जुटी हुई है। इसी कड़ी में आज पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा कर्नाटक के दौरे पर हैं। उन्होंने कर्नाटक के बेलगावी में बूथ समावेश रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैं अपनी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देता हूं जो अपने देश के लिए दिन-रात काम करते हैं। वे न केवल हमारी पार्टी को मजबूत करते हैं बल्कि अपने ऊपर होने वाले दुर्व्यवहार को भी सहन करते हैं।' उन्होंने कहा कि आप भाग्यशाली हैं कि आप एक दृढ़ दृष्टिकोण वाली विचारधारा आधारित पार्टी के कार्यकर्ता हैं।

नड्डा ने कहा कि भाजपा ने जनसंघ के रूप में 1951-52 में कहा था कि एक देश में, दो निशान-दो विधान-दो प्रधान नहीं रहेंगे। तो हमने 2020 में धारा 370 को धराशायी कर दिया। उन्होंने कहा कि हमने कहा था कि हम राम मंदिर बनाने के रास्ते को प्रशस्त करेंगे। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी जी कर कमलों से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई और हमने अपना वादा पूरा किया। उन्होंने दावा किया कि हम एकमात्र पार्टी हैं जिसने तीन तलाक के माध्यम से हमारी मुस्लिम महिलाओं पर होने वाले अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि एक तरफ हमारे पास मोदी जी हैं, जिन्होंने भारतीयों की क्षमताओं पर भरोसा किया और उनमें नया आत्मविश्वास पैदा करने में मदद की। दूसरी ओर, हमारे पास ऐसे लोग हैं जो भारत के युवाओं को 'आलसी' कहने का साहस करते हैं... वे भारतीयों की क्षमताओं का अपमान करते हैं। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक को एहसास हो गया होगा कि उनकी राज्य सरकार उन्हें कैसे धोखा दे रही है। कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद विधानसौधा में लोगों ने लगाए 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे...क्या यही है राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' का मकसद? खड़गे ने इसकी निंदा क्यों नहीं की?

उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण करने वाली सरकार है। कांग्रेस पार्टी परिवारवाद और तुष्टिकरण करने वाली पार्टी है। INDI गठबंधन केवल परिवार और भ्रष्टाचार का गठबंधन है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के प्रति कांग्रेस का रवैया सहिष्णु है। उनके राज में कैफे जैसे आम मिलन स्थलों पर धमाचौकड़ी मची रहती थी। कांग्रेस वही पार्टी है जिसने श्री राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। कांग्रेस मंदिरों पर टैक्स लगा रही है। उनके मन में हिंदुओं के प्रति इतना आक्रोश क्यों है?

अभिनेत्री वैजयंतीमाला से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दौर की अभिनेत्री वैजयंतीमाला फिर अपने सराहनीय डांस को लेकर सुर्खियों में हैं, जिन्होंने हाल ही में अयोध्या में आयोजित समारोह में 90 की उम्र में भारतनाट्यम डांस से सबका दिल जीत लिया। वहीं वैजयंतीमाला से प्रधानमंत्री मिले हैं, जिसकी उन्होंने तस्वीरें भी शेयर की हैं। पीएम मोदी ने हाल ही में चेन्नई में पद्म विभूषण से सम्मानित और मशहूर अभिनेत्री वैजयंतीमाला से मुलाकात की। इसके बारे में पीएम ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं।

पीएम मोदी ने वैजयंतीमाला की तारीफ कर कहा कि महान अभिनेत्री की भारतीय सिनेमा की दुनिया में अनुकरणीय योगदान के लिए प्रशंसा की जाती है। उन्होंने लिखा, चेन्नई में वैजयंतीमाला जी से मिलकर खुशी हुई। उन्हें हाल ही में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है और भारतीय सिनेमा की दुनिया में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए पूरे भारत में उनकी प्रशंसा की जाती है।

गौरलतलब है कि वैजयंती माला का नाम साल जनवरी 2024 में पद्म विभूषण पाने वालों की सूची में शामिल था। उनके अलावा तेलगु मेगास्टार चिरंजीवी और 132 अन्य लोगों को भी पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें आठ तमिलनाडु के थे, जिसमें वैजयंतीमाला भी शामिल थीं। वैजयंतीमाला बाली भारतीय सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने हिंदी ही नहीं बल्कि कई साउथ फिल्मों में भी काम किया था। वैजयंतीमाला ने 16 साल की उम्र में तमिल फिल्म वाजकई (1949) से अभिनय की शुरुआत की थी। उनकी पहली हिंदी फिल्म बहार थी, जो 1951 में रिलीज हुई थी। इसके बाद में उन्होंने 1950 और 1960 के दशक की कई फिल्मों में भी काम किया, जिनमें देवदास, नया दौर, आशा, साधना, गूंगा जमना, संगम और ज्वेल थीफ शामिल हैं। दिलचस्प बात यह है कि उन्हें साल 1968 में पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था।

आंदोलन पर किसान पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, कोर्ट ने इसे पब्लिसिटी स्टंट का तरीका बताया

नई दिल्ली। किसान आंदोलन को लेकर को लेकर दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। किसान आंदोलन से जुड़ी याचिका लेकर याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था लेकिन उसका यह दांव उल्टा पड़ गया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हिदायत दी और याचिका को पब्लिसिटी स्टंट का तरीका बताया। और याचिकाकर्ता के वकील को फटकार लगाई। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने किसानों के प्रदर्शन से संबंधित मुद्दे को गंभीर करार देते हुए सोमवार को याचिकाकर्ता से कहा कि वह केवल प्रचार पाने के लिए अखबारों की रिपोर्ट के आधार पर याचिका दायर करने से बचें। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने सिख चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रबंध निदेशक एवं याचिकाकर्ता एनोस्टोस थियोस को अपनी उस याचिका को वापस लेने की अनुमति दे दी जिसमें केंद्र और कुछ राज्यों द्वारा शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे किसानों के अधिकारों के हनन का आरोप लगाया गया था। सुनवाई की शुरुआत में ही याचिकाकर्ता थियोस के वकील ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया कि वह याचिका में संशोधन करना चाहते हैं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को फटकार लगाई। न्यायमूर्ति कांत ने वकील से कहा ये बहुत गंभीर मुद्दे हैं। केवल प्रचार के लिए अखबारों की रिपोर्ट के आधार पर ऐसी याचिकाएं दायर न करें।

कांग्रेस नेताओं पर भड़के पंजाब के सीएम बोले- आपको कभी सोनिया, राहुल ने पास बिठाया हो तो बताएं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की दोस्ती दिल्ली,गुजरात और हरियाणा में चल रही है। यहां दोनों पार्टियों के बीच सीटों का बंटवारा भी हो गया है। इसके बाद भी पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, कांग्रेस नेताओं पर जमकर भड़क गए हैं। उन्होनें खरी खरी सुनाते हुए यहां तक कह दिया कि कोई ऐसा नेता हो तो बताएं जिसे सोनिया और राहुल गांधी ने पास में कभी बिठाया हो।पंजाब में बजट पर चर्चा के दौरान विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ है। चर्चा के दौरान मान और कांग्रेस विधायक और नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा के बीच जमकर बहस हुई। पंजाब सीएम ने कहा, राहुल गांधी और सोनिया गांधी किसके साथ बैठते हैं? मेरे साथ। क्या आप कभी उनके साथ बैठे हैं? एक तरह आप हमारे साथ (सीट शेयरिंग पर) समझौते कर रहे हैं। जाओ उन्हें (सोनिया और राहुल गांधी) से कह दो कि हमें कुरुक्षेत्र, दिल्ली और गुजरात की सीटें न दें।

बजट पर चर्चा से पहले सीएम मान ने राज्यसपाल को एक लिफाफा सौंपा था, जिसमें ताला-चाबी थे। उन्होंने राज्यपाल से कहा कि विपक्ष को अंदर बंद कर दें, ताकि वे चर्चा के दौरान भाग न जाएं। इसके बाद से ही दोनों पक्षों के बीच बहस का दौर शुरू हो गया था। पत्रकारों से बातचीत के दौरान बाजवा ने कहा, मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को सुनना नहीं आता, तो इसलिए विधानसभा के दरवाजे अंदर से बंद कर देने चाहिए। हम क्या मजदूर हैं? हमने इतना कमजोर स्पीकर नहीं देखा। सीएम ने सभी के लिए अनुचित शब्दों का इस्तेमाल किया था।उन्होंने कहा, जब बहस हो रही थी, तब मुख्यमंत्री ने मुझसे कहा कि क्या मैं उनके खिलाफ चुनाव में खड़ा हो सकता हूं। मैंने उन्हें कहा कि वह पंजाब में जहां से भी चुनाव लड़ेंगे, वहां उनके खिलाफ मैं खड़ा हो जाऊंगा। मैंने उनकी चुनौती को खुलकर स्वीकार किया।

संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए एसबीआई का ढाल के रूप में इस्तेमाल कर रही है सरकार: खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने और चुनावी बॉन्ड से संबंधित उच्चतम न्यायालय के फैसले को नाकाम बनाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक का ढाल के रूप में उपयोग कर रही है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉन्ड के विवरण का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने का सोमवार को उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया। पिछले महीने अपने फैसले में उच्चतम न्यायालय ने एसबीआई को छह मार्च तक निर्वाचन आयोग को विवरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मोदी सरकार चुनावी बॉन्ड के माध्यम से अपने संदिग्ध लेनदेन को छिपाने के लिए हमारे देश के सबसे बड़े बैंक को ढाल के रूप में उपयोग कर रही है।' उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बॉन्ड की मोदी सरकार की 'काला धन रूपांतरण' योजना को 'असंवैधानिक', 'आरटीआई का उल्लंघन' और 'अवैध' करार देते हुए रद्द कर दिया था और एसबीआई को 6 मार्च तक दाता विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा था, लेकिन भाजपा चाहती है कि इसे लोकसभा चुनाव के बाद किया जाए। उनके मुताबिक, इस लोकसभा का कार्यकाल 16 जून को खत्म होगा और एसबीआई 30 जून तक डेटा साझा करना चाहता है।

खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा इस फर्जी योजना की मुख्य लाभार्थी है। उन्होंने सवाल किया, 'क्या मोदी सरकार आसानी से भाजपा के संदिग्ध सौदों को नहीं छिपा रही है, जहां राजमार्गों, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, बिजली संयंत्रों आदि के अनुबंध इन अपारदर्शी चुनावी बॉन्ड के बदले मोदी जी के करीबियों को सौंप दिए गए थे?' खरगे ने कहा, 'विशेषज्ञों का कहना है कि दानदाताओं की 44,434 स्वचालित डेटा प्रविष्टियों को केवल 24 घंटों में प्रकट और मिलान किया जा सकता है, फिर इस जानकारी को एकत्रित करने के लिए एसबीआई को 4 महीने और क्यों चाहिए?' उनके अनुसार, कांग्रेस पार्टी का स्पष्ट रुख रहा है कि चुनावी बॉन्ड योजना अपारदर्शी, अलोकतांत्रिक और समान अवसर को नष्ट कर देने वाली थी।

खरगे ने आरोप लगाया, 'मोदी सरकार, प्रधानमंत्री कार्यालय और वित्त मंत्री ने भाजपा का खजाना भरने के लिए हर संस्थान - आरबीआई, चुनाव आयोग, संसद और विपक्ष पर बुलडोजर चला दिया।' उन्होंने आरोप लगाया कि अब हताश मोदी सरकार उच्चतम न्यायालय के फैसले को विफल करने के लिए एसबीआई का उपयोग करने की कोशिश कर रही है।

संदेशखली मामला: हाई कोर्ट से मिला बड़ा झटका

-अब सीबीआई जांच के निर्देश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची ममता सरकार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को संदेशखली मामले में सीबीआई जांच के निर्देश देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष याचिका का उल्लेख किया। जिसके बाद शीर्ष अदालत ने वकील से रजिस्ट्रार जनरल के समक्ष इसका उल्लेख करने को कहा। इससे पहले आज, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने संदेशखाली में ईडी अधिकारियों पर हमले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित करने का आदेश दिया। अदालत ने पश्चिम बंगाल पुलिस को मामले के मुख्य आरोपी शाजहान शेख को सीबीआई को सौंपने का भी आदेश दिया।

पश्चिम बंगाल सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था। शेख की गिरफ्तारी के बाद राज्य सरकार ने मामले की जांच बशीरहाट पुलिस से लेकर सीआईडी को सौंप दी थी, जो अब सीआईडी की पुलिस रिमांड में है। टीएमसी नेता को पुलिस ने 29 फरवरी को गिरफ्तार किया था, जिसके एक दिन बाद उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था कि महिलाओं पर कथित यौन अत्याचार और संदेशखाली में जमीन हड़पने के मुख्य आरोपी शेख को सीबीआई, ईडी या पश्चिम बंगाल द्वारा गिरफ्तार किया जा सकता है।

बता दें कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बंगाल के संदेशखली से जबरन वसूली, भूमि हड़पने और यौन उत्पीड़न की कई शिकायतों के मुख्य आरोपी पूर्व तृणमूल नेता शेख शाहजहाँ की हिरासत सीबीआई को सौंप दी है। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम ने मंगलवार शाम कहा कि केंद्रीय एजेंसी मामले को अपने हाथ में लेगी, उन्होंने बंगाल पुलिस को शाहजहां और मामले की सामग्री सौंपने के लिए शाम 4.30 बजे तक का समय दिया था।

लेबनान के मिसाइल हमले में एक भारतीय की मौत, दो घायल

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग में कई निर्दोष भी मारे जा रहे हैं। सोमवार को लेबनान ने एक एंटी-टैंक मिसाइल दाग दी जिसमें एक भारतीय की मौत हुई है और दो लोग घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल के उत्तरी सीमावर्ती समुदाय मार्गालियट के पास एक बगीचे में लेबनान की तरफ से दागी गई मिसाइल के गिरने से केरल के एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और अन्य दो घायल हो गए हैं। उत्तरी इजराइल में लेबनान में हिजबुल्लाह आतंकवादियों के टैंक रोधी मिसाइल हमले में सोमवार को एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। इजराइल के चैनल 12 टीवी समाचार के अनुसार, मिसाइल ने मार्गालियट समुदाय के एक बगीचे में हमला किया, जिसकी चपेट में आठ भारतीय श्रमिक आ गए। इजरायल की मैगन डेविड एडोम की बचाव सेवा ने एक बयान में कहा कि इस हमले में दो भारतीय नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और अन्य को हल्की चोटें आई हैं। उन्हें वायु सेना के हेलीकॉप्टरों से अस्पतालों में पहुंचाया गया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता के अनुसार, इजराइली सेना ने इस मिसाइल हमले का टैंक और तोपखाने से गोलाबारी बरसाकर मुंहतोड़ जवाब दिया है।

यूएन की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा : हमास ने बंधकों के साथ किया दुष्कर्म

तेलअवीव। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग को लेकर यूएन ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमास बंधकों के साथ न केवल दुष्कर्म किया है बल्कि उन्हे मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना भी दी है। दावा किया गया है कि 7 अक्टूबर को हुए हमलों के दौरान कई बलात्कार भी हुए थे। इतना ही नहीं साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा ले जाए गए बंधकों के साथ भी रेप किया गया था। बता दें कि फिलिस्तीनी समूह हमास के लड़ाकों ने इजरायल पर हमला कर जंग शुरु की थी, तभी से दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संघर्ष में यौन हिंसा पर यूएन की विशेष प्रतिनिधि प्रमिला पैटन ने इजरायल और वेस्ट बैंक का दौरा किया था। वह फरवरी में करीब ढाई सप्ताह के लिए इन क्षेत्रों में अन्य एक्सपर्ट्स के साथ पहुंची थीं। उन्होंने पाया कि इस बात के स्पष्ट जानकारी थी कि कुछ बंधकों के साथ बलात्कार किया गया है। उन्होंने पाया कि यह भी माना जा रहा है कि ऐसी हिंसा उन लोगों के साथ अब तक जारी है, जो बंधक बने हुए हैं। खास बात है कि इजरायल ने हमास पर 7 अक्टूबर को बलात्कार और यौन हिंसा के भी आरोप लगाए थे। वहीं, इन मामलों पर धीमी प्रतिक्रिया देने के लिए यूएन को भी खासी आलोचना का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट में कहा गया है, गाजा क्षेत्र में हमास और अन्य सशस्त्र बलों की तरफ से आम जनता और सैन्य के खिलाफ हुए हमलों के संदर्भ में मिशन की टीम को पता चला है कि यहां यह मानने का आधार है कि 7 अक्टूबर को कई स्थानों पर रेप और गैंगरेप समेत संघर्ष संबंधित यौन हिंसा हुई है रिपोर्ट में कहा गया है कि ये घटनाएं तीन जगहों पर हुई हैं। इनमें नोवा म्यूजिक फेस्टिवल, रोड 232 और किब्बूत्ज रीम शामिल है। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है, इनमें से अधिकांश घटनाओं में पीड़ितों के साथ पहले बलात्कार किया गया और बाद में उन्हें मार दिया गया।

ईरान ने तेहरान-मास्को अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी दावों को किया खारिज

तेहरान, । ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नासिर कनानी ने मॉस्को के साथ तेहरान के अंतरिक्ष सहयोग के बारे में अमेरिकी अधिकारियों के दावों को आधारहीन बताते हुए खारिज कर दिया। कनानी अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के दावों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। मिलर ने रूस द्वारा हाल ही में ईरानी उपग्रह के प्रक्षेपण को दोनों देशों के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग एक और उदाहरण बताया था। इसे उन्होंने यूक्रेन, ईरान के पड़ोसियों व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खतरा कहा था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोमवार को तेहरान में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि ईरान और रूस के बीच रक्षा और सैन्य सहयोग अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियमों के तहत दोनों देशों के सामान्य हितों पर आधारित है। कनानी ने जोर देकर कहा, 'अंतर्राष्ट्रीय नियमों और कानूनों के तहत सहयोग दोनों देशों का अधिकार है। हम अमेरिकी अधिकारियों के आधारहीन दावों को खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि रूस के साथ हमारा सहयोग किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है। गौरतलब है कि ईरान ने गुरुवार को पूर्वी रूस में रूस के सोयुज रॉकेट प्रक्षेपण के माध्यम से पार्स-1 नामक अपने उपग्रह को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है : वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में कहा

वाशिंगटन, । उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने प्रतिष्ठित स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और देश यहां से पीछे नहीं हटेगा क्योंकि इसका उभार भूराजनीति, धार्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक सहित कई कारकों का परिणाम रहा है। उन्होंने कहा, 'सच्चाई यह है कि सत्तर, अस्सी और नब्बे के दशक की पीढ़ी भारत को एक रोमांचक कहानी के रूप में देख रही है और अब वे इसका हिस्सा बनना चाहते हैं, जो स्वागत योग्य है। यह शानदार है।' वरिष्ठ अधिवक्ता और लेखक जे. साई दीपक ने 'स्टैनफोर्ड इंडिया डायलॉग-द लीडर्स ऑफ टुमॉरो' में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत का पुनरुत्थान कायम रहने वाला है और मुझे लगता है कि देश यहां से पीछे नहीं हटेगा' स्टैनफोर्ड इंडिया पॉलिसी एंड इकोनॉमिक्स क्लब (एसआईपीईसी) ने मोटवानी जडेजा फाउंडेशन के साथ साझेदारी में शनिवार को एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया था। कार्यक्रम में दीपक ने कहा, 'मुझे खुशी इस बात की है कि ज्यादा से ज्यादा लोग लिखने के काम में रुचि रखते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि आप सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं या नहीं। अच्छी बात यह है कि लिखने वाले लोग मौजूद हैं और तथ्य है कि इन्हें पिछले आधे दशक में शानदार सफलता मिली है।'

विज्ञान का चमत्कार, अब दुनिया में बच?चे अपंग पैदा नहीं होंगे

लंदन । साइंस की दुनिया में फिर चमत्कार हुआ है। अक्सर सुनाने में आता हैं कि कई बच्चे जब पैदा होते हैं, तब उनके अंग पूरे विकसित नहीं होते। किसी बच्चे की आंखें नहीं खुलतीं, तब किसी का सिर आधा अधूरा बना रहता है। किसी के फेफड़े और किडनी पूरी तरह काम नहीं करते हैं। अब ऐसी जेनेटिक बीमारि?यों का इलाज की उम्मीद जगा गई है। वैज्ञानिकों ने पहली बार गर्भ में पल रहे शिशु के अंग लैब में तैयार करने की बात कही है। उनका दावा है कि उन्हें कुछ ऐसा फार्मूला मिला है, जिससे प्रेग्नेंसी के अंतिम दिनों में वे शिशुओं के अंगों और कोशिकाओं को विकसित कर सकते हैं। अजन्मे शिशुओं की स्टेम कोशिकाओं से मिनी अंग विकसित किए जा सकते है। अगर ये कामयाब रहा, तब दुनिया में बच्चे अपंग पैदा नहीं होंगे। क्योंकि गर्भ में ही उनके अंगों को विकसित किया जा सकेगा। दुनिया में हर साल लाखों बच्चे गर्भ में विकसित हुई बीमारी के साथ पैदा होते हैं। सबसे ज्यादा डायाफाम हर्निया के चांस होते है, जिसमें पेट के सारे अंग अपनी जगह से खिसककर छाती में चले जाते हैं। दूसरी दिक्कत सिस्टिक फाइब्रोसिस की होती है, इसमें कुछ ग्रंथियों में से असामान्य रूप से गाढ़े पदार्थ का रिसाव होने लगता है, जो फेफड़ों और पाचन तंत्र सहित कई अंगों को नुकसान पहुंचाता है। इस तरह की जेनेटिक बीमारी सिस्टिक किडनी डिसीज हैं। इसमें फ्लूड से भरी थैली यानी सिस्ट बन जाते हैं, जो किडनी के लिए गंभीर समस्याएं पैदा करते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि इसतरह के बीमारियों को नए फार्मूले के द्वारा ठीक किया जा सकेगा। आमतौर पर प्रेग्नेंसी के 22वें हफ्ते में भ्रूण के साथ छेड़छाड़ करना गैरकानूनी होता है। इससे बच्चे को दिक्कत हो सकती है। इसीलिए जब तक बच्चे को कोई गंभीर बीमारी न हो, इन हफ्तों में डॉक्टर सर्जरी का खतरा मोल नहीं लेते। लेकिन विशेषज्ञों दावा है कि अब वे एमनियोटिक थैली में तैरती कोशिकाओं से छोटे अंग विकसित कर सकते हैं, वहां भी बच्चे को छुए बिना। एमनियोटिक द्रव भ्रूण द्वारा निर्मित होता है और गर्भ में बच्चे को घेरे रहता है। यह द्रव बच्चे के शरीर से बहता रहता है और कोशिकाओं तक डीएनए लेकर जाता है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन की डॉ. मटिया गेरली ने कहा, नई रिसर्च हमें बच्चे को बिना छुए, उसके अंगों को ठीक करने की राह में आगे बढ़ रहे है। यह हमें आनुवंशिक बीमारियों के बारे में और अधिक सिखा सकती है। हम बेहतर तरीके से जान सकते हैं कि बच्चों में होने वाली जेनेटिक बीमारियों से कैसे निपटा जाए।

अर्जेंटीना में सरकारी स्वामित्व वाली न्यूज एजेंसी टीलेम के बंद होने पर प्रदर्शन करते हुए उसके कर्मचारी।

कमला हैरिस ने इजरायली वॉर कैबिनेट सदस्य से कहा युद्धविराम की कार्रवाई में तेजी लाएं

वाशिंगटन। अमेरिका की वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस ने इजराइल के कैबिनेट सदस्यों से मुलाकात कर सीजफाइयर की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा है। उन्होंने फिलिस्तीनी नागरिकों को सभी प्रकार की मानवीय सहायता सुनिश्चित किए जाने का भी आग्रह किया। इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बेनी गैंट्ज़ के साथ हैरिस की मुलाकात सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने इजरायल और हमास के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए आह्वान किया। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बैठक के एक रीडआउट में कहा गया है, 'उपराष्ट्रपति ने बंधक समझौते को हासिल करने की तात्कालिकता पर चर्चा की और बंधक वार्ता के लिए इज़राइल के दृष्टिकोण का स्वागत किया।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमास से शर्तों को स्वीकार करने का आह्वान किया, जिसके तहत बंधकों की रिहाई के बाद तत्काल छह सप्ताह का युद्धविराम होगा।' रीडआउट में कहा गया है कि हैरिस ने 'गाजा में मानवीय स्थितियों और उत्तरी गाजा में एक सहायता काफिले के आसपास हाल ही में हुई भीषण त्रासदी के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।' इस घटना में एक सहायता काफिले से भोजन प्राप्त करने की कोशिश कर रहे कई फिलिस्तीनियों पर हमला हुआ था जिसमें सौ से ज्यादा लोग मारे गए। जब से इजराइल ने गाजा में अपना आक्रमण शुरू किया है, तब से फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत की संख्या 30,000 से अधिक हो गई है। इज़रायली सेना ने रविवार को कहा था मारे गए लोगों में से अधिकांश की मौत भगदड़ से हुई, जबकि फिलिस्तीन द्वारा संचालित स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि जिन लोगों को अस्पतालों में भेजा गया था, उन्हें गोली मार दी गई। रीडआउट में आगे कहा गया है कि गैंट्ज़ के साथ बैठक के दौरान हैरिस ने 'इजरायल से गाजा में मानवीय सहायता के प्रवाह को बढ़ाने और जरूरतमंद लोगों तक इसका सुरक्षित वितरण सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के सहयोग से अतिरिक्त उपाय करने का आग्रह किया।'

मालदीव का नया दांव-पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन से कर लिया सैन्य समझौता

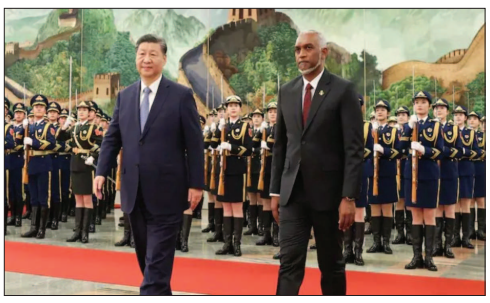

माले (एजेंसी)। कई बार अपने मुंह की खा चुका मालदीव ने एक बार फिर भारत विरोधी कदम उठाया है। इस बार मालदीव ने पहले भारतीय सेना को बाहर किया फिर चीन के साथ सैन्य समझौता कर लिया। बता दें कि पिछले साल नवंबर में मुइज्जू के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में कुछ तनाव आ गया था। व्यापक रूप से चीन समर्थक नेता के रूप में देखे जाने वाले मुइज्जू ने राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के बाद कहा कि वह भारतीय सैन्यकर्मियों को अपने देश से बाहर निकालने के अपने चुनावी वादे को निभाएंगे। मुइज्जू ने पिछले साल सितंबर में हुए राष्ट्रपति पद के चुनाव में भारत के मित्र माने जाने वाले तत्कालीन राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हरा दिया था।

भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि तकनीकी विशेषज्ञों की उसकी पहली असैन्य टीम मालदीव में एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले सैन्यकर्मियों की जगह लेने वहां पहुंच गई है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने देश से भारतीय सैन्यकर्मियों के पहले समूह की वापसी के लिए 10 मार्च की समयसीमा तय की थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर को संचालित करने के लिए तकनीकी कर्मियों की पहली टीम मालदीव पहुंच गई है। यह हेलीकॉप्टर को संचालित करने वाले मौजूदा कर्मियों का स्थान लेगी।'' भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी से संबंधित मुद्दे के समाधान के लिए गठित उच्च-स्तरीय कोर समूह की दूसरी बैठक के बाद, मालदीव के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत 10 मई तक दो चरणों में अपने सभी सैन्यकर्मियों को हटा लेगा। कोर समूह की दूसरी बैठक दो फरवरी को दिल्ली में हुई।

चीन ने सोमवार को मालदीव के साथ मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त सैन्य सहायता प्रदान करने संबंधी रक्षा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव से भारतीय सैन्य कर्मियों को बाहर करने के लिए डेडलाइन तय की है। एक दिन पहले मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए चीन के अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग कार्यालय के उप निदेशक मेजर जनरल झांग बाओकुन से मुलाकात की। मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने अपने एक्स हैंडल पर बताया कि मौमून और मेजर जनरल बाओकुन ने मालदीव गणराज्य को मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए चीन के सैन्य सहायता के प्रावधान पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। बता दें कि मालदीव ने ताजा रक्षा सहयोग समझौते का अधिक जानकारी नहीं दी है। लेकिन यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब 4500 टन वजनी हाई-टेक्नोलॉजी से लैस चीन का जासूसी जहाज मालदीव के तट से रवाना हो गया है।

इस बीच बताया कि चीन ने मालदीव को 12 इको-फ्रेंडली एम्बुलेंस भी गिफ्ट में दी हैं। रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय में आयोजित एक समारोह में, मालदीव में चीनी राजदूत वांग लिक्सिन ने मालदीव को एम्बुलेंस का उपहार देने वाला पत्र प्रस्तुत किया। इससे पहले आधिकारिक रूप से जियांग यांग हांग श्री नामक यह चीनी जहाज ने ''कर्मियों को बदलने और आपूर्ति के लिए' के लिए बंदरगाह पर लंगर डाला था। मालदीव ने चीनी जहाज जियांग यांग होंग 03 को अपने कर्मियों के रोटेशन और लॉजिस्टिक एक्सचेंज के लिए माले बंदरगाह पर ठहरने की अनुमति दी थी। इसके कुछ दिनों बाद चीनी सैन्य प्रतिनिधिमंडल ने मालदीन की यात्री की है। पांच जनवरी को श्रीलंका ने जियांग यांग हांग श्री के प्रवेश को अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा था कि उसने अपनी समुद्री सीमा में विदेशी अनुसंधन जहाजों के प्रवेश पर एक साल के लिए रोक लगाने की घोषणा की है। भारत ने अपने पड़ोस में चीन के अनुसंधान जहाजों के लंगर डालने पर चिंता प्रकट की थी। संयोग से यह चीनी जहाज भारत-मालदीव-श्रीलंका त्रिपक्षीय 'दोस्ती-16' अभ्यास के स्थल के समीप ही था। यह अभ्यास 22 फरवरी और 25 फरवरी के बीच हुआ था।

अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश बना फ्रांस

पेरिस (एजेंसी)। अबॉर्शन का संवैधानिक अधिकार देने वाला दुनिया का पहला देश फ्रांस बन गया है। फ्रांस के सांसदों ने सोमवार को संसद के संयुक्त सत्र के दौरान देश में गर्भपात को महिलाओं का संवैधानिक अधिकार बनाने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक पर मतदान हुआ और इसके पक्ष में 780 जबकि विरोध में 72 वोट पड़े। प्रधान मंत्री गेब्रियल अटल ने मतदान से पहले सांसदों से कहा, हम सभी महिलाओं को एक संदेश भेज रहे हैं- आपका शरीर आपका है और कोई भी आपके लिए निर्णय नहीं ले सकता। फ्रांस में 1974 के कानून के बाद से महिलाओं को गर्भपात का कानूनी अधिकार प्राप्त है जिसकी उस समय कई लोगों ने कड़ी आलोचना की थी। महिला अधिकार कार्यकर्ताओं ने विधेयक को मंजूरी मिलने पर खुशी जताई और इस कदम की सराहना की। संसद के दोनों सदन नेशनल असेंबली और सीनेट पहले ही फ्रांसीसी संविधान के अनुच्छेद 34 में संशोधन के लिए एक विधेयक को मंजूरी दे चुके हैं ताकि महिलाओं को गर्भपात के अधिकार की गारंटी दी जा सके। जब मतदान के परिणाम की घोषणा एक विशाल स्क्रीन पर की गई तो पृष्ठभूमि में एफिल टॉवर चमक रहा था और माईबॉडीमायचॉइस संदेश प्रदर्शित हो रहा था, इसलिए मध्य पेरिस में एकत्र हुए गर्भपात अधिकार कार्यकर्ताओं ने खुशी मनाई और तालियां बजाईं। संयुक्त राज्य अमेरिका और कई अन्य देशों की तुलना में फ्रांस में गर्भपात के अधिकार को अधिक व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। सर्वेक्षणों से पता चलता है कि लगभग 80प्र. फ्रांसीसी लोग इस तथ्य का समर्थन करते हैं कि गर्भपात कानूनी है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप को दी क्लीनचिट... चुनाव लड़ने का रास्ता हुआ साफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति चुनाव के उम्मीदवार पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप पर लगाए प्रतिबंध को रद्द कर दिया। कोलराडो के टॉप कोर्ट ने 14वें संविधान संशोधन के तहत ट्रंप को चुनाव लड़ने से रोक दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राज्य अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर गया है। कोर्ट ने कैपिटल दंगे के लिए ट्रंप को जवाबदेह ठहराने के प्रयासों को खारिज कर दिया। इसके बाद अब ट्रंप का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। ट्रंप ने इस फैसले को अमेरिका के लिए बड़ी जीत करार दिया है।

जज ने सर्वसम्मति से लोअर कोर्ट के उस फैसले को पलट दिया कि ट्रंप को छह जनवरी, 2021, कैपिटल दंगा मामले में उनकी कथित भूमिका के कारण सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित किया था। कोलोराडो के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी तरह के पहले फैसले में कहा था कि प्रावधान, धारा 3, ट्रंप पर लागू की जा सकती है। ट्रंप के वकीलों ने दलील दी कि छह जनवरी का दंगा विद्रोह नहीं था और अगर ऐसा था भी, तब ट्रंप दंगाइयों में शामिल नहीं हुए थे।

जिनपिंग के खतरनाक इरादे, चीन ने 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ाया रक्षा बजट

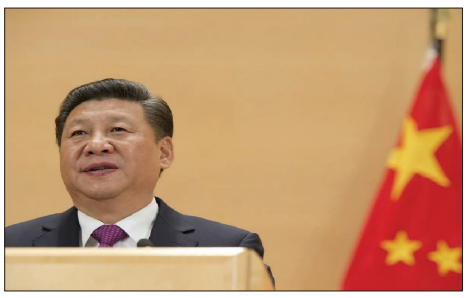

इस्लामाबाद (एजेंसी)। चीन इस साल अपने डिफेंस बजट में 7.2त का इजाफा किया है। ये आंकड़ा पिछले वर्ष के बराबर है। लेकिन सरकार की आर्थिक वृद्धि की भविष्यवाणी से अधिक है। बजट में सेना पर 1.67 ट्रिलियन युआन (230.60 अरब डॉलर) खर्च का अनुमान लगाया गया है। अमेरिका चीन के रक्षा बजट पर कड़ी नजर रखता है। ताइवान पर हाल ही में बढ़े तनाव को देखते हुए बीजिंग के रणनीतिक लक्ष्यों और उसके सैन्य बलों की वृद्धि को लेकर अमेरिका पहले से ही चिंतित हैं। चीन ने कहा कि वो ताइवान की स्वतंत्रता और बाहरी हस्तक्षेप के उद्देश्य से अलगाववादी गतिविधियों का दृढ़ता से विरोध करेगा। पिछली रिपोर्टों में शांतिपूर्ण पुनर्मिलन के उल्लेख से परे अन्य रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन पुनर्मिलन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में दृढ़ रहेगा।

इस वर्ष सैन्य खर्च में वृद्धि एकल-अंकीय वृद्धि के लगातार नौवें वर्ष का प्रतिनिधित्व करती है। पिछले वर्षों की तरह, खर्च के किसी भी ब्यौरे के बिना, केवल कुल राशि और वृद्धि का प्रतिशत प्रदान किया गया था। प्रधानमंत्री ली कियांग की पहली कार्य रिपोर्ट मंगलवार को बीजिंग में अपनी वार्षिक बैठक के दौरान चीन की रबर-स्टैम्प संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) द्वारा सुनी जानी है। रॉयटर्स द्वारा देखी गई एक आधिकारिक कार्य रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने 2024 के लिए लगभग 5प्र. वार्षिक आर्थिक विकास लक्ष्य स्थापित किया है, जो पिछले वर्ष के एजेंडे के अनुरूप है।

बता दें कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से बीते वर्षों में रक्षा खर्च बढ़ा है। अमेरिका के बाद चीन रक्षा बजट पर खर्च करने के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

पृथ्वी को गर्म होने से रोकने उपाय बताया वैज्ञानिकों ने

-नहीं आएंगे बहुत सारे अकाल और बाढ़

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अगले कुछ ही सालों में धरती का तपमान 1.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा। इसके उम्मीद से ज्यादा ही गंभीर नतीजे देखने को मिलेंगे जिसके लिए मानव जाति और शायद पृथ्वी भी तैयार नहीं है। यह कहना है वैज्ञानिकों का।

ताजा अध्ययन में साइंटिस्ट ने ऐसा समाधान सुझाया है जिससे पृथ्वी को अकाल, हिमयुग और बाढ़ आदि से बचाया जा सकेगा। ऐसा नहीं होने पर दुनिया में लाखों लोग केवल अकाल से ही मरने लगेंगे। वैज्ञानिक यह कोशिश कर रहे हैं कि पृथ्वी को किसी तरह से और ज्यादा गर्म होने से रोका जा सके। अब कुछ अमेरिकी वैज्ञानिकों ने ऐसा करने का नया उपाय खोज निकला है जिसे अपनाने से पृथ्वी के बढ़ते तापमान को रोका जा सकेगा। वैज्ञानिकों का यह तक दावा है कि केवल यही उपाय ही तापमान घटाने के लिए काफी होगा। यदि उच्च वायुमंडल में मौजूद पानी की वाष्पों को सुखा दिया जाए तो गर्मी को पृथ्वी से बाहर निकलने का मौका मिल जाएगा। इससे पृथ्वी का तापमान कम हो जाएगा और वह ठंडी हो जाएगी।

रिपोर्ट में ऐसा करने के लिए वैज्ञानिकों ने वायुमंडल के ऊपरी हिस्से में बर्फ फेंकने का सुझाव दिया है। वैज्ञानिकों ने यह भी माना हा कि यह काम खतरे से खाली नहीं है, फिर एक अच्छा विकल्प हो सकता है। उनका कहना है कि पृथ्वी सतह से 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर खास विमानों से अगर बर्फ के कण फैला दिए जाएं तो इससे वहां की वाष्प ठंडी हो जाएगी, पर बड़ा सवाल यह है कि इसके लिए कितनी बर्फ की जरूरत होगी।

इस सवाल का जवाब भी वैज्ञानिकों ने दिया है कि उन्होंने कहा कि हर सप्ताह हवा में दो टन के बर्फ के कण वायुमंडल के इस हिससे में छोड़ने होंगे और ऐसा करने से तापमान 5 डिग्री तक कम हो सकता है। इतना ही नहीं उनका तो यहां तक कहना है कि इससे प्रदूषण तक कम हो जाएगा। बता दें कि दुनिया अब बहुत तेजी से ऐसे दौर में जा रही है जहां उसने चरम मौसम की घटनाएं बहुत ज्यादा और बार-बार देखने को मिलने लगेंगी।

नरेंद्र मोदी के सामने विपक्ष का चेहरा कौन?

आशीष वशिष्ठ

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी के चेहरे के सामने में विपक्ष की बिना चेहरे वाली एकजुटता जरूरी कमजोर नजर आएगी। लेकिन, इससे उसके असफल होने की गारंटी नहीं है। यदि विपक्ष सत्ता विरोधी लहर को भुनाने में कामयाब होता है और सरकार की नाकामियों को जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है तो फिर उसे फायदा होगा। लेकिन, यदि सत्ता विरोधी लहर नजर नहीं आती है तो फिर मोदी के चेहरे का फायदा फिर भाजपा को मिलेगा।

अगले कुछ दिनों में चुनाव आयोग लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा करेगा। राजनीतिक दल चुनाव मैदान में कूद चुके हैं। देश का राजनीतिक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपानीत एनडीए का चेहरा नरेंद्र मोदी हैं। ऐसे में अहम प्रश्न है कि मोदी के सामने विपक्ष का चेहरा कौन होगा? क्या विपक्ष चुनाव मैदान में उतरने से पहले किसी एक चेहरे पर सहमति बना पाएगा? या फिर विपक्ष बिना चेहरे के ही मोदी को चुनौती देगा? विपक्ष अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि मोदी के सामने कौन विपक्ष को चेहरा कौन होगा।

भाजपा ने पिछले चुनाव में भी इस बात को खूब प्रचारित किया था कि विपक्ष के पास मोदी का कोई विकल्प नहीं है। सोशल मीडिया पर आज भी इस बात की चर्चा होती है कि आम चुनाव में विपक्ष के पास प्रधानमंत्री के लिए कौन ऐसा उम्मीदवार है, जो मोदी की बराबरी करता दिखे? इसका कोई जवाब विपक्ष के पास नहीं है। विपक्ष में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार अनेक हैं। दलों में क्षेत्रीय स्तर पर टकराव बहुत हैं। इनके चलते विपक्ष चुनाव, संसद के भीतर या सड़क पर सरकार के खिलाफ एकजुट नहीं दिखाई देता है। नीतीश कुमार ने विपक्षी एकता का प्रयास किया था, लेकिन कांग्रेस के रवैये से रुष्ट होकर वो दोबारा एनडीए में शामिल हो चुके हैं।

इंडी अलायंस पिछले दस महीने में आधा दर्जन बैठकों के बाद भी किसी एक चेहरे के नाम पर सहमति नहीं बना पाया। विपक्ष का हर नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार समझता है। 2014 के बाद जब से नरेंद्र मोदी की अगुवाई में नई बीजेपी सामने आई तब से देश में चेहरा आधारित चुनाव का नया दौर शुरू हुआ। नरेंद्र मोदी के सामने विकल्प कौन? यह विपक्ष का सबसे अनसुलझा सवाल रहा। बीता साल भी विपक्ष ने इसी के जवाब में निकाल दिया। विपक्ष ने 27 दलों का इंडी अलांयस भी बनाया तब भी उसमें एक आम चेहरा सामने नहीं ला पाया। वहीं अगर पिछले कुछ सालों का रिकार्ड देखें तो जिस राज्य में विपक्ष ने विधानसभा चुनाव में मजबूत चेहरा रखा वहां उसे विजय हासिल हुई। लेकिन केंद्र में आकर वह ऐसा करने में विफल रहा। बीती 19 दिसंबर को इंडी अलांयस की मीटिंग में यह मसला उठा और कुछ नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम आगे किया लेकिन इसमें सफलता नहीं मिली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जोर देकर कहा कि विपक्षी दलों के लिए पहली प्राथमिकता आम चुनाव जीतना और फिर प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार का नाम तय करना होगा। उन्होंने कहा, 'आवश्यक सदस्यों के बिना पीएम उम्मीदवार के बारे में

चर्चा निरर्थक है।' खड़गे के गैर-प्रतिबद्ध रुख ने संकेत दिया कि गठबंधन का चेहरा नामित करने का मुद्दा विवादास्पद बना हुआ है। जबकि तमाम आंकड़े और सर्वेक्षण बताते हैं कि आजकल मतदाता चुनाव में नेतृत्व की स्पष्टता वाले दल की ओर अधिक जाना पसंद करते हैं।

ऐसे में विपक्ष के लिए इस अनसुलझे प्रश्न की तलाश सबसे अधिक है। मुकाबला तो साफ तौर पर घोषित उम्मीदवारों के बीच होता है। जब विपक्ष ने किसी को अपना चेहरा घोषित ही नहीं कर पाया, ऐसे में आमजन में यह संदेश गया कि विपक्ष के पास मोदी का मुकाबला करने वाला कोई नाम और चेहरा नहीं है। बिना किसी चेहरे के विपक्ष अपनी आधी लड़ाई शुरू होने से पहले ही हार चुका है।

इंडी अलांयस के गठन के पहले ही दिन से कांग्रेस बड़ी चालाकी से गठबंधन के संयोजक के मुद्दे पर हीलाहवाली करती रही। सीट बंटवारे को लेकर भी उसका रूख कभी साफ नहीं रहा। वास्तव में कांग्रेस ने बड़ी चालाकी से नीतीष कुमार के बनाए मंच पर अपना वर्चस्व और प्रभुत्व स्थापित कर लिया। और रणनीति के तहत वो संयोजक के नाम की घोषणा जैसे अहम मुद्दे को बैठक दर बैठक टालती रही। गठबंधन में संयोजक ही प्रधानमंत्री पद का चेहरा होता। कांग्रेस यह नहीं चाहती थी कि राहुल गांधी के अलावा कोई दूसरा चेहरा गठबंधन की ओर से घोषित किया जाए। हालांकि कांग्रेस की चालाकी को नीतीश, केजरीवाल और ममता भांप गए। इसलिए इन तीन नेताओं ने कांग्रेस के रवैये की आलोचना करने से परहेज नहीं किया।

नीतीश तो गठबंधन से अलग हो गए। ममता ने मल्लिकार्जुन का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाकर राहुल और अन्य संभावित प्रत्याषियों का रास्ता रोकने का काम किया। केजरीवाल कांग्रेस के साथ आए भी तो अपनी षर्तों पर। कांग्रेस ने झुककर आप से सीटों का बंटवारा किया। ममता अकेले चुनाव लड़ने का संदेष दे ही चुकी है। मतलब साफ है कि गठबंधन में कोई किसी को आगे बढ़ता देखना नहीं चाहता। विपक्ष का हर नेता स्वयं को प्रधानमंत्री पद का दावेदार मानता है। और वो प्रधानमंत्री पद के लिए अपना रास्ता साफ रखना चाहता है।

देष की जनता विपक्षी नेताओं के चाल चरित्र और सत्ता की लोलुपता को बड़े ढंग से देख रही है। जनता को पता है कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी जैसे ऊजार्वान और निस्वार्थ व्यक्ति है, जो अहर्निशं देष और देषवासियों के कल्याण और विकास के बारे में सोचता है। और दूसरी ओर एक ऐसा गठबंधन है, जिसके अधिकांष नेता अपना वर्तमान और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित करने के लिए जोड़ तोड़ कर रहे हैं। उन्हें मोदी को अपने सत्ता सुख के लिए हराना है।

विपक्ष देश की जनता को कभी यह नहीं बताता कि वो मोदी को हटाकर उनके लिए क्या करेंगे? देश के विकास का उनका मॉडल क्या है? उन्होंने देश के प्रगति का कौन सा रोडमैप तैयार किया है? विपक्ष मुफ्त की सौगातों और न पूरे होने वाले वायदे देकर सत्ता हासिल करने की कोशिशों में जुटा है। मोदी सरकार के हर काम की आलोचना और अड़चन को ही विपक्ष अपना धर्म और कर्तव्य मानता है। उसके पास कोई देष को आगे बढ़ाने का कोई माडल, रोडमैप और ब्लूप्रिंट नहीं है। देशवासी सब कुछ देख रहे हैं। पिछले दस वर्षों में देश में जो परिवर्तन और विकास हुआ है, उसे विपक्ष के नेता अपने बयानों की चादर से ढक नहीं सकते। सरकारी योजनाओं से करोड़ो देशवासी लाभन्वित हुए हैं। सरकारी कार्यप्रणाली में निष्पक्षता और पारदर्शिता का प्रतिशत बढ़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी पिछले दो महीने में कई अवसरों पर अपने तीसरे कार्यकाल का जिक्र कर चुके हैं। बीती 3 मार्च को पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक हुई। मौजूदा सरकार की यह आखिरी कैबिनेट बैठक थी। करीब 11 घंटे चली मीटिंग में विजन डॉक्यूमेंट विकसित भारत 2047, अगले 5 साल की योजनाओं और सरकार के तीसरे कार्यकाल के दौरान पहले 100 दिन की रणनीति पर चर्चा हुई। जहां एक ओर विपक्ष के कई बड़े नेता अपने लिए सुरक्षित सीटें और गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर उलझे हुए हैं। वहीं पीएम मोदी तीसरे कार्यकाल की रणनीति तय कर रहे हैं। पीएम मोदी के आत्मविश्वास से अंदर ही अंदर समूचे विपक्ष में घबराहट है।

पिछले वर्ष पांच राज्यों के चुनाव में मोदी की गारंटी विपक्ष के वायदों पर भारी पड़ी थी।देशवासियों ने मोदी की गारंटी पर भरोसा किया। इंडी अलांयस भी मोदी को हराने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रहा। कांग्रेस तो अपना स्तर गिराकर समझौते और गठबंधन करने से भी परहेज नहीं कर रही है। लेकिन अहम सवाल यह है कि प्रधानमंत्री मोदी के छवि, कद और नेतृत्व के सामने क्या विपक्ष की बिना चेहरे वाली रणनीति कामयाब हो पाएगी?

इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी के चेहरे के सामने में विपक्ष की बिना चेहरे वाली एकजुटता जरूरी कमजोर नजर आएगी। लेकिन, इससे उसके असफल होने की गारंटी नहीं है। यदि विपक्ष सत्ता विरोधी लहर को भुनाने में कामयाब होता है और सरकार की नाकामियों को जनता के बीच ले जाने में सफल रहता है तो फिर उसे फायदा होगा। लेकिन, यदि सत्ता विरोधी लहर नजर नहीं आती है तो फिर मोदी के चेहरे का फायदा फिर भाजपा को मिलेगा।

संपादकीय

शहबाज शरीफ को विवशताओं का ताज

शहबाज शरीफ ने दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की कमान संभाल ली है। इस बार सही मायनों में उनका ताज कांटों का है। इसलिए कि एक तो पूरा चुनाव ही विवादास्पद रहा है, तिस पर उसमें सेना का (प्रत्यक्ष?) सहयोग रहा है। अमेरिका इसी बिना पर शरीफ सरकार को मान्यता अटकाने पर अड़ा हुआ था, पर उसके राष्ट्रपति नहीं माने। दूसरे, शहबाज एक परस्पर विरोधी दलों के गठबंधनों में समझौते के तहत चुने गए प्रधानमंत्री हैं। इसके तहत, गठबंधन की समर्थक और दूसरी बड़ी पार्टी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता और 11 साल की सजा काटे आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति बनाया जाना है। यह चुनाव जल्द ही होना है। तो इस तरह से शहबाज के दोनों हाथ पहले से ही बांध कर कुर्सी पर बिठाया गया है। माना जाता है कि इन्हीं स्थितियों में नवाज शरीफ नेतृत्व करने से पीछे हटे हैं। वे पाकिस्तान के लिए कड़े फैसले लेने लायक बहुमत से हासिल एक खुला मैदान चाहते थे, जो नहीं मिला है। दूसरे, सेना की सेना और गठबंधन-दलों की वे स्वाभाविक पसंद नहीं थे। शहबाज सेना के आगे मुंह नहीं खोलने और साझीदार दलों के लिए मुफीद समझे गए। इस वजह से वे 'अनिच्छुक' होते भी बड़े भाई से बाजी मार ले गए। पर पाकिस्तान की अस्थिर आंतरिक स्थितियां, भयावह वित्तीय स्थितियां और धराशायी क्षेत्रीय-अंतरराष्ट्रीय साख, वस्तुओं के आसमान छूते दामों से लोगों को मार डालने वाली महंगाई को वस्तुओं की आपूर्ति से पाटने की चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। वहीं सदन और उसके बाहर इमरान खान का तगड़ा विपक्ष उन्हें आराम से बैठने देने के मूड में नहीं है। वे दैनंदिनी स्तर पर विवशताओं से घिरे हैं प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें पाकिस्तान को एक विफल देश से बाहर निकालने का कर्त्तव्य है। पर इसकी इजाजत के लिए उन्हें सेना को खुश करने वाली भारत विरोधी समेत तमाम बातें करनी हैं और वैसी परिस्थितियां निर्मित करनी हैं तो गठबंधन की कड़ी परीक्षा लेने वाले धर्म का भी निर्वाह करना है। इसलिए उन्हें भारत से भिड़ने और कठमुल्लेपन के पोषण की बात रोजाना स्तर पर करनी होगी जबकि उन्हें यथाशीघ्र पाकिस्तान को एक सामान्य स्थिति की ओर ले जाना चाहिए। यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे देश के ऐतिहासिक सामाजिक और आर्थिक संकटों से निपटने का प्रयास करते समय बढ़ती राजनीतिक खाई को पाटें। शहबाज को सेना या गठबंधन इसकी छूट कहां तक देगा, यह समय बताएगा। फिलहाल, उनके नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

राजस्थान भाजपा में उठने लगे बगावत के स्वर

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में भाजपा ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिये 15 सीटो पर प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। उसके बाद चूरू, बांसवाड़ा-डूंगरपुर जैसी कई सीटों पर विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं। आदिवासी बहुल वागड़ क्षेत्र की बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट से भाजपा ने कांग्रेस से दलबदल कर भाजपा में आए विधायक महेंद्रजीत सिंह मालवीय को चुनावी मैदान में उतारा है। इसके बाद उनके खिलाफ खुलकर विरोध होने लगा हैं। बांसवाड़ा से कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा है कि मालवीय ने 40 साल कांग्रेस का खाया, गरीबों का गला दबा के खाया। अब चाहे विधानसभा चुनाव लड़े या लोकसभा का जनता बख्शेगी नहीं। उन्होंने मालवीय पर 15 हजार करोड़ रूपयों के भ्रष्टाचार करने के आरोप भी लगाए हैं।

बांसवाड़ा में रविवार को विट्ठलदेव मंदिर परिसर में एक मीटिंग के दौरान मंत्री रहे अर्जुन सिंह बामनिया ने पूर्व मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय का नाम लेकर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होने कहा मालवीय 5 बार जिला प्रमुख, 4 बार विधायक, 2 बार मंत्री रहे। कुछ लोग कह रहे हैं कि 15 हजार करोड़ का घपला किया है इसलिए भाजपा में जाना ही पड़ा। कोई चिंता करने की बात नहीं 15 हजार करोड़ खाने के बाद खुद को बचाने के लिए भाजपा में गए तो भी ठीक या फिर लालच से गए तो भी ठीक। लेकिन बांसवाड़ा और बागीदौरा की जनता महेंद्रजीत मालवीय को बख्शेगी नहीं। आज हम सब विट्ठलदेव से कसम खाकर जाएं कि महेंद्र जीत सिंह मालवीय को घर से निकालना है।

इसके साथ ही बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भाजपा टिकट की दावेदारी कर रहे भाजपा नेता हकरू मईडा ने भी महेंद्रजीत मालवीय पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होने कहा हम 40 साल मालवीय के खिलाफ लड़ाई लड़ते रहे। उनके भ्रष्टाचार के मामले उठाए। जिसके खिलाफ ईडी की जांच होनी चाहिए थी उसे पार्टी ने टिकट दे दिया। पार्टी ने टिकट दिया है तो पार्टी जाने। जिसको जेल जाना था उसे पार्टी ने सम्मान दिया। अब हम कुछ नहीं बोलना चाहते।

महेंद्रजीत सिंह मालवीय ने कहा मैंने ऐसा कुछ नहीं किया कि ईडी मेरे घर आए। फिर भी आती है तो मैं जांच के लिए तैयार हूं। आरोप चलते रहते हैं। जहां तक अर्जुन बामनिया के आरोप हैं तो मैं पूछना चाहता हूं कि पंचायती राज के बारे में बामनिया क्या जानते हैं। उनको यह नहीं पता कि भारत सरकार से राज्य सरकार से पैसा निकलकर सीधा पंचायत के खाते में जाता है। वहां कलेक्टर कुछ नहीं कर सकता न ही मंत्री या मुख्यमंत्री। 15 हजार करोड़ तो कभी बांसवाड़ा नहीं आया। अगर 40 साल से भ्रष्टाचार हो रहा है तो वे भी 4 बार विधायक रहे हैं। उनको भी तो कुछ न कुछ मिला होगा। वे भी तो शरीक होंगे।

उन्होंने कहा मैं शीर्ष नेतृत्व को आभार व्यक्त करता हूं। मुझ पर विश्वास कर प्रत्याशी बनाया। निश्चित ही हम जीत चुके हैं। 400 प्लस सीट लाकर प्रधानमंत्री मोदी बनेंगे। बांसवाड़ा में रेल लाएंगे। मानगढ को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कराएंगे, निम्बाहेड़ा से दाहोद नेशनल हाईवे बनाएंगे। साथ ही टीएसपी के लिए एक मास्टर प्लान बनाएंगे। उन्होंने भारतीय ट्राइबल पार्टी के लिए कहा कि यह पार्टी अपने आप खत्म हो जाएगी। चूरू सीट पर भाजपा ने लगातार दो बार के सांसद राहुल कस्वां का टिकट काटकर पैरा आलम्पिक खिलाड़ी देवेन्द्र झाझड़िया को प्रत्याशी बनाया हैं। टिकट कटने पर कस्वां ने नाराजगी जाहिर करते हुये अपने समर्थकों की मिटिंग बुलाने की बात कही हैं। राहुल कस्वां भाजपा से बगावत कर चुनाव लड़ेगें। उनके पिता रामसिंह कस्वां भी चूरू से चार बार सांसद रह चुके हैं। राहुल कस्वां का टिकट राजेन्द्र राठौड़ के विरोध के चलते काटा गया हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में सात बार के विधायक राठौड़ तारानगर सीट पर हार गये थे तब उन्होने कस्वां को अपनी हार का जिम्मेदार बताया था। तभी से कस्वां की टिकट कटने की बात कही जा रही थी।

चर्चा है कि कस्वां कांग्रेस नेताओं के सम्पर्क में हैं तथा शिघ्र ही कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। कस्वां परिवार का चूरू जिले की राजनीति में खासा असर है। उनके दादा, पिता, माता विधायक रह चुके हैं। उनके पिता ने 2004 में कांग्रेस के दिग्गज नेता बलराम जाखड़ को लोकसभा चुनाव में हरा दिया था। राहुल कस्वां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के छोटे भाई कुलदीप धनखड़ के दामाद हैं। यदि राहुल कस्वां बगावत करता है तो भाजपा का राजस्थान में लगातार तीसरी बार 25 सीट जीतने का सपना शायद ही पूरा हो सकेगा।

आवारा पशु : छोड़ने वालों पर भी कसें नकेल

ऋतुपर्ण दवे

आवारा जानवरों के एकाएक हमलों से राहगीरों की होने वाली मौतें, जबरदस्त चिंता का सबब बनी हुई हैं। कम से कम भारत में आवारा जानवरों को लेकर न तो कोई सख्ती है और न ही लोग खुद ही जागरूक। ऐसे में भरे बाजार, बीच सड़क या हाइवे पर कब कौन सा गोवंश एकाएक आ टकराए या आजू-बाजू से हमला कर दे जिसमें जान तक चली जाए, पता नहीं। सबसे ज्यादा हैरानी और परेशानी तब होती है, जब बेहद शांत और अपनी मस्त चाल में चलने वाला अमूमन अहिंसक माना जाने वाला पशु भी एकाएक बिजली की रफ्तार से पलक झपकते, आक्रामक हो जाए और टूट पड़े।

निश्चित रूप से इसे रोकना होगा। आवारा कुत्तों काटने से हर रोज देश भर में सैकड़ों औसतन घायल होते हैं। लेकिन सवाल वही कि कैसे रु के? ऐसी दुर्घटनाओं का सटीक आंकड़ा नहीं है। कुछ बीमा प्रदाता कंपनियों के अपने आंकड़े जरूर हैं। अनेकों रपटों से साफ है कि देश में सबसे ज्यादा दुर्घटनाएं महानगरों में होती हैं। लेकिन यह भी सच है कि शहर, कस्बे, गांव हर कहीं ऐसी घटनाएं अब आम हैं।

सर्वाधिक घटनाएं कुत्तों के काटने से होती हैं लेकिन गोवंश के अलावा कुछ जंगली पशुओं के भी एकाएक हमले बढ़े हैं। बीच आबादी में लगातार ऐसी दुर्घटनाएं बड़ी चिंता का सबब हैं। आवारा गोवंश और कुत्तों के

बेहद खतरनाक होने का सच यही है कि कई बार पेट नहीं भरने से इनकी मानसिक स्थितियां आपे से बाहर हो जाती हैं। इसके साथ बदलते पर्यावरणीय हालातों पर भी कई शोध सामने आए हैं, जिनसे पशुओं के तंत्रिका तंत्र और मनोदशा पर बुरा प्रभाव पड़ा है। देश का शायद ही कोई प्रान्त, जिला, कस्बा या गांव बचा हो, जहां कभी किसी आवारा जानवर के हमले से दुर्घटना न हुई हो। बीच आबादी, हिंसक होते आवारा पशुओं के बर्ताव में यह तब्दीली क्यों और कैसे आई, इस पर जानकर भी अंजान रहना बड़ी वजह है। कभी, कहीं कोई घटना घट जाती है तो दो-चार दिन चर्चा और विरोध होता है उसके बाद लोग धीरे-धीरे भूल जाते हैं।

ऐसी घटनाओं को न रोक पाना स्थानीय निकायों की विफलता है। पर्याप्त फण्ड और कैटल कैचिंग दस्ता होने के बावजूद दुर्घटनाएं होना और नहीं जागना और भी दुखद है। सबको पता है कि बरसात के मौसम में क्या गांव, क्या शहर, क्या महानगर हर कहीं बेखौफ होकर आवारा पशु उसमें भी विशेषकर गोवंश सड़कों पर आराम फरमाते नजर आते हैं। इससे सड़क से गुजर रहे वाहनों को जितनी परेशानी होती है, उतनी ही उन सड़कों के किनारे रहने या आने-जानेवाले स्थानीय रहवासियों को भी। कई बार सड़कों पर कब्जा जमाए बैठे पशु एकाएक बिदक जाते हैं, जिससे बड़ी-बड़ी दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं।

चाहे बीते दिनों का वह वायरल वीडियो हो जिसमें एक स्कूटी सवार को बेहद शांत भैंस ने न केवल एकाएक सींग में फंसा कर पटक दिया बल्कि रोकने वालों को भी खदेड़ा। या फिर देश भर में गोवंश के आकस्मिक हमलों से हुई दुर्घटनाओं और मौतों की विचलित करती सच्चाइयां। सब चिंताजनक हैं। ऐसी घटनाएं महानगर दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकता, अहमदाबाद, लखनऊ, बनारस, भोपाल, भुवनेर हों या देश के छोटे-मझोले नगर, कस्बे गांव हर कहीं, एकदम आम हैं। आंकड़े बताते हैं कि औसतन तीन लोगों की मौत हर रोज आवारा पशुओं द्वारा भीड़-भाड़ वाले इलाकों में हमलों से हो रही है। वहीं आवारा कुत्तों के काटने की वार्षिक संख्या लाखों में है।

सोचिए, सड़कों पर बैठे ऐसे आवारा पशुओं के झुण्ड आबादी वाले इलाकों में ही क्यों नजर आते हैं? यकीनन ये बदकिस्मत जानवर जिन्हें हम आवारा कहते हैं, वास्तव में आवारा नहीं होते। सच्चाई यह है कि इनमें ज्यादातर बूढ़े या दूध नहीं देने वाले गोवंश होते हैं, जिन्हें भूख मिटाने, आवारा छोड़ दिया जाता है। इनके मालिक ऐसे अनुपयोगी पशुओं पर खर्च न कर सड़क या हाट-बाजार में अपने रहमों करम पर जिन्दा रहने के लिए छोड़ देते हैं। ऐसे पशु पालक या मालिक, थोड़ी सी कोशिशों से चिन्हित किए जा सकते हैं। इनकी ऐसी लापरवाही के लिए जिम्मेदारी और प्रभावी कानून नहीं होने से इनमें कोई खौफ भी नहीं होता। कई बार स्थानीय स्तर पर अपने प्रभाव का भी ऐसे पशु पालक दुरु पयोग करते हैं।

यह सब रोकने के लिए भारत भूमि पर, एक सख्त राष्ट्रीय कानून की दरकार है। इसमें व्यवस्थाएं हो कि कम से कम दुधारू पशुओं सहित सभी पालतू पशुओं के खरीदने-बेचने और उनके जन्म-मृत्यु का पंजीकरण अनिवार्य हो। पशुओं के कानों पर लगे पीले टैग को चिपयुक्त या क्यूआर कोड बनाया जाए जिसमें उसके पालक का संपूर्ण विवरण और पशु के स्वास्थ्य तथा उसकी दशा आदि दर्ज हो। इसके लिए स्थानीय निकाय व पशु चिकित्सा विभाग की सामूहिक जिम्मेदार सुनिश्चित की जाए। पशु में लगी टैगिंग या चिप निकाली नहीं जा सके और ऊपर से ही अपडेट हो। यदि किसी कारण से कोई अपने पशु को पालने में असमर्थ है तो उसे किसी पास की गौशाला या स्वयंसेवी संगठनों को सौंपने की व्यवस्था की जाए। यदि पशुपालन कमाने का जरिया हो सकता है तो उसे आवारा छोड़ना भी दण्डनीय होना ही चाहिए। निश्चित रूप से इससे बड़ा बदलाव आएगा।

जिंदगी से जुड़ी फील्ड है एनवायरनमेंटल साइंस

एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

पर्यावरण हमारी जिंदगी में अहम भूमिका निभाता है. चाहे बात खाने के अनाज की हो, रहने के लिए घर की हो, पहनने के लिए कपड़े की हो या फिर पानी, सूर्य की रोशनी, हवा की हो. सभी कुछ इसी पर्यावरण पर निर्भर करता है. इसलिए जब पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है तो उसका कहीं न कहीं प्रभाव हमारे जीवन पर पड़ता है. औद्योगिक विकास की रफ्तार ने पर्यावरण को लीलने का काम किया है. यही कारण है कि सभी का ध्यान इस ओर गया है. ऐसे में, एनवायरनमेंटल साइंस से जुड़े लोगों की मांग काफी बढ़ गई है. मूल रूप से एनवायरनमेंटल साइंस ऊर्जा को बचाने, बायोडायवर्सिटी, क्लाइमेट चेंज, ग्राउंड वॉटर आदि के अध्ययन वाला विषय है. एकेडमिक तौर पर देखें तो एनवायरनमेंटल साइंस का दायरा काफी व्यापक है और इस कोर्स में अध्ययन के दौरान सिर्फ भौतिकी या बायोलॉजिकल साइंस का ही नहीं बल्कि इकोलॉ जी, भौतिकी, रसायन विज्ञान, बायोलॉजी और ज्योलॉजी का भी अध्ययन किया जाता है.

एनवायरनमेंटल साइंस के अध्ययन की बात पहली बार 1977 में स्टॉकहोम में हुई कांफ्रेंस में सामने आई थी. औद्योगिक विकास की अंधी दौड़ में आज जिस तरह पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है, वह किसी से अछूता नहीं है. ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से लेकर ग्लेशियर के पिघलने या फिर पर्यावरण प्रदूषण आदि का मामला सभी कुछ इसी से जुड़ा हुआ है. आज के दौर में सरकार से लेकर स्वयंसेवी संगठन तक सभी पर्यावरण को लेकर जागरूक हो रहे हैं. एनवायरनमेंटल साइंस से संबंधित कोर्स यानी ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट करने वाले छात्र कंस्ट्रक्शन, केमिकल, मैन्युफैक्चरिंग और एनर्जी के फील्ड में करियर बना सकते हैं. इसके अलावा और भी कई फील्ड हैं जहां इससे संबंधित डिग्री हासिल करने वाले छात्र करियर को नई मंजिल तक पहुंचा सकते हैं.

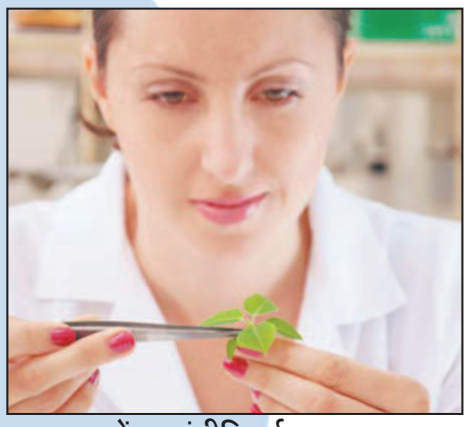

एनवायरनमेंटल इंजीनियर्स

इस फील्ड से जुड़े लोग वास्ट मैनेजमेंट, लीन मैन्युफैक्चर, रिसाइक्लिंग, इमिशन कंट्रोल, इनवायरेनमेंटल सस्टेनेबिलिटी और पब्लिक हेल्थ मामलों का अध्ययन करते हैं.

एनवायरनमेंटल लॉबिस्ट

ये सरकारी अधिकारियों, नेताओं और संबंधित स्वयंसेवी संस्थानों को पर्यावरण मामलों और नीतियों की जानकारी देते हैं.

एनवायरनमेंटल एजुकेटर

इससे जुड़े लोग एनवायरनमेंटल साइंस या फिर इससे संबंधित विषयों यानी इकोलॉजी या हाइड्रोलॉजी छात्रों को पढ़ाते हैं. इसके अलावा, एनवायरनमेंटल बायोलॉजिस्ट, एनवायरनमेंटल मॉडलर्स, एनवायरनमेंटल जर्नलिस्ट या पर्यावरण से संबंधित तकनीकविदों की तरह भी कार्य कर सकते हैं.

वेतन - एनवायरनमेंटल साइंस में बैचलर डिग्री करने वाले छात्रों को आसानी से 15-30 हजार रुपये मासिक की नौकरी मिल जाती है. जिन्होंने इस विषय में पोस्ट ग्रेजुएट किया है, उन्हें कम से कम 35-50 हजार रुपये मासिक तौर पर तो मिलते ही हैं. जो लोग पीएचडी करने के बाद बतौर साइंटिस्ट या कंसल्टेंट कार्य करते हैं, उनका वेतन शुरुआत में 50-75 हजार रुपये के बीच होता है.

संस्थान - अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, यूपी दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरनमेंटल बायोलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली स्कू ल ऑफ एनवायरनमेंटल साइंसे ज, जेएनयू, नई दिल्ली पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, यूपी चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, यूपी गुरुकल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, यूपी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, यूपी

एनवायरनमेंटल साइंटिस्ट

इससे जुड़े लोग वातावरण पर मनुष्यों द्वारा पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करते हैं. वे टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट को लेकर शोध करते हैं और एनवायरनमेंटली फ्रेंडली प्रैक्टिस को लेकर संबद्ध संस्थानों को सुझाव भी देते हैं.

हस्तनिर्मित कागज उद्योग फलता-फूलता रोजगार

भारत में हस्तनिर्मित कागज उद्योग का इतिहास बहुत पुराना है। मुगल काल से इसके प्रमाण मिलते हैं। यह उद्योग भारत के सामाजिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें सबसे खास बात यह है कि यह उद्योग अपशिष्ट पदार्थ को रिसाइकिलिंग प्रणाली द्वारा उच्चकोटि के कागज में तब्दील कर देता है। इसके अलावा, इसमें कम खर्च में अधिक लोगों को रोजगार दिया जाता है। असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नगालैंड जैसे राज्यों में हस्तनिर्मित कागज के उद्योग खूब फल फूल रहा है। जबकि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के लगभग 10-15 हजार लोग इस व्यवसाय से जुड़े हुए हैं।

शैक्षिक योग्यता की दरकार

इस रोजगार को प्रारंभ करने से पहले यदि आप प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण होना बहुत जरूरी है। प्रशिक्षण के पश्चात आप विशेष योग्यता से लैस हो जाएंगे, बल्कि रोजगार से संबंधित बारीकियां भी आपको मालूम हो सकेंगी। यदि आपके पास इस व्यवसाय से संबंधित जानकारी पहले से ही मौजूद है तो पांचवीं की डिग्री भी महत्वपूर्ण है यानी आपको सिर्फ साक्षर होना आवश्यक है। उम्र-सीमा 18 वर्ष से कम न हो।

संबंधित पाठ्यक्रम

इसमें मुख्यत- हैंडमेड पेपर में सर्टिफिकेट कोर्स (एक से दो सप्ताह), पेपर कंजरवेशन कोर्स (दो माह), इंटरप्रिन्योरशिप कोर्स (दो माह) तथा हैंडमेड पेपर में एडवांस कोर्स (एक वर्ष) आदि शामिल हैं।

फीस एवं प्रशिक्षण अवधि

यदि आप प्रशिक्षण खादी ग्राम उद्योग कमीशन (केवीआईसी) से प्राप्त करते हैं तो आपको सिर्फ 200 रुपए मामूली फीस में प्रशिक्षण मिल सकता है। जबकि प्रशिक्षण अवधि 2-3 हफ्तों की होती है। इस दौरान प्रशिक्षु को अपशिष्ट पदार्थों को रिसाइकिल कर आकर्षक कागज में परिवर्तित करने की कला सिखा दी जाती है। रिसाइकिलिंग में टेलर कटिंग, होजरी कटिंग तथा छोटे-छोटे टुकड़ों के सहारे उच्चकोटि के उपयोगी पेपर तैयार किए जाते हैं।

खर्च एवं सुविधा

हस्त निर्मित कागज उद्योग का यूनिट लगाने में कम से कम 40-70 हजार रुपए की लागत आती है। प्रारंभ में यह जरूरी है कि यूनिट छोटी ही लगाई जाए। बाद में सफल होने तथा डिमांड अधिक होने पर यूनिट की क्षमता इच्छानुसार बढ़ा सकते हैं। इस रोजगार के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय ने किसी भी व्यक्ति को प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तक के ऋण का प्रबंध किया है। इसके साथ ही महिलाओं, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के विकलांगों को दिए गए कर्ज में 30 फीसदी की सब्सिडी मिलती है।

प्रशिक्षण दिलाने वाले संस्थान

ऐसे कई संस्थान हैं जो अपने यहां से हस्तनिर्मित कागज से जुड़ा प्रशिक्षण दिलाते हैं-

- खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (गांधी दर्शन), राजघाट, नई दिल्ली-110002 (संस्थान का पूरे भारत में कई जगह प्रशिक्षण केंद्र मौजूद)
- डॉ राजेन्द्र प्रसाद मल्टी डिस्प्लीनरी ट्रेनिंग सेंटर, खादी एवं विलेज इंडस्ट्रीज कमीशन, शेखपुरा, पटना-14
- कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीटच्यूट, सांगानेर, राजस्थान-302022

टूरिज्म गाइड, मेहनती युवाओं के लिए बढ़िया करियर ऑपशन

पर्यटन आज सांस्कृतिक पहचान पुख्ता करने के साथ रेवेन्यू अर्जित करने का भी जरिया बन रहा है. ऐसे में स्थानीय सरकारें देश में पर्यटन को बढ़ावा देने की पुरजोर कोशिश कर रही हैं. भारतीय गांवों की सैर विदेशी पर्यटकों के लिए किसी रोमांच से कम नहीं है. यहां के घर, बच्चों के खेल, महिलाओं का ओढना-पहनना, खेत-खलिहान, दैनिक गतिविधियां, अर्थव्यवस्था आदि उन्हें इतने आकर्षित करते हैं कि पर्यटक महीनों यहां डेरा डाले रहते हैं.

टूरिस्ट गाइड का कार्य

किसी भी देश की सामाजिक, सांस्कृतिक परंपराओं से पर्यटकों को अवगत कराने में टूरिस्ट गाइड की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. टूरिस्ट गाइड पर्यटकों के साथ रहकर उन्हें जाने-अनजाने और अनछुए पहलुओं से वाकिफ कराते हैं. यही वो कारण है जिसके चलते आज टूरिस्ट गाइड एक आकर्षक कॅरियर विकल्प के तौर पर अपनी जगह बना चुका है. संबंधित देश के टूरिस्ट गाइड राज्य क्षेत्र की भौगोलिक जानकारी के साथ-साथ सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पर्यटन संबंधी जानकारी रखने के साथ ट्रेवल एजेंसी और बड़े-बड़े होटलों की जानकारी रखते हैं. देश में टूरिस्ट गाइड के लिए भारतीय पर्यटन और ट्रेवल विभाग से टूरिस्ट गाइड का लाइसेंस लेना होता है. लाइसेंस प्राप्त करने के लिए परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती है.

कोर्स और क्वालिफिकेशन - देश के अलग-अलग संस्थान टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट में शॉर्ट टर्म डिप्लोमा कोर्स संचालित करते हैं, जिसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रैवल एंड टूरिज्म (आईआईटीएम) सबसे खास है, तो वहीं संबंधित राज्य व केंद्र सरकारों के पर्यटन विभाग भी टूरिस्ट गाइड ट्रेनिंग कोर्स आयोजित करते हैं. जिन्हें पास करने पर आपको सर्टीफाइड गाइड का लाइसेंस मिलता है. टूरिज्म के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए जरूरी है कि वे इस क्षेत्र में औपचारिक शिक्षा भी ग्रहण करें. देश में विभिन्न संस्थान एवं विश्वविद्यालय टूरिज्म में डिप्लोमा, बैचलर डिग्री एवं मास्टर्स डिग्री प्रदान करते हैं. डिप्लोमा कोर्स की अवधि अमूमन एक वर्ष होती है, जिसे ग्रेजुएशन के बाद किया जा सकता है. आईसीसीआर इस क्षेत्र में जूनियर फेलोशिप भी प्रदान करता है.

कॅरियर ऑप्शन - स्थानीय पर्यटन उद्योग, राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग, होटल इंडस्ट्री, टैवल एजेंसी, एविएशन, कार्गो ऑपरेशन, हॉस्पिटेलिटी आदि में टूरिस्ट गाइड के लिए अवसर बाट जोह रहे हैं. टूरिज्म उद्योग के विस्तार से टूरिस्ट गाइड का स्कोप बढ़ा है. मेहनती, कुशल और ईमानदार युवा चाहें तो भारत की संपन्न विरासत से अपने लिए समृद्ध भविष्य की राह खोज सकते हैं. भारत सरकार भी अब ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए कदम उठा रही है. पर्यटन मंत्रालय के अनुसार पिछले वर्ष देश भर में 66 लाख विदेशी सैलानी आए, जिनसे करीब 17.75 अरब डॉलर की कमाई हुई. मंत्रालय ने प्रत्येक वर्ष इनकी संख्या में 12 फीसदी बढोत्तरी का लक्ष्य रखा है ताकि वर्ष 2016 तक पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई दोगुनी की जा सके. स्किल्ड युवाओं के लिए इस फील्ड में संभावनाओं के असीमित द्वार हैं.

क्यों जरूरी है अपनी स्किल्स में इजाफा करना?

आप करियर के उस मुकाम पर खड़े हैं, जहां सोचते हैं कि अगले दस सालों में आप क्या करने जा रहे हैं? क्या कभी इस बात का भी अफसोस होता है कि आपने पढ़ाई के दौरान अलग-अलग विषयों का चुनाव क्यों नहीं किया, ताकि कुछ और पढ़ने या किसी दूसरी दिशा में करियर बनाने के बारे में सोच पाते? यदि इन प्रश्नों का उत्तर हां है तो यह समय है अपने पास मौजूद विकल्पों पर गंभीरता से विचार करने का। खुद की स्किल्स में निवेश करके अपने आप को आगे बढ़ाने का, री-स्किलिंग का।

क्या है स्किल्स में इजाफा करना?

शब्दकोष में री-स्किलिंग का अर्थ होगा, वह प्रशिक्षण और अनुभव, जिसके जरिए नई और बेहतर स्किल्स की जानकारी मिलती है। करियर में किसी उम्मीदवार में नई स्किल्स हासिल करने, सीखने और खुद को बदलने की क्षमता और इच्छा का होना बेहद अहम गुण माना जाता है। यह दूरदर्शिता होना कि करियर को आगे ले जाने के लिए किन स्किल्स की जरूरत होगी और उस दिशा में कदम बढ़ाना किसी उम्मीदवार के करियर को आगे ले जाने में मदद करता है। आईआईएम-बेंगलुरु में चाइनीज बिजनेस लैंग्वेज कोर्स पढ़ाने वाले प्रो. एस स्वामीनाथन कहते हैं, 'अपनी स्किल्स में इजाफा करने का अर्थ सक्रिय होकर केवल नई स्किल सीखना भर नहीं है। यह नौकरी से ब्रेक लेकर उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाना भी हो सकता है। उदाहरण के लिए कई आईआईएम केंद्रों में मंडारिन एक लोकप्रिय लैंग्वेज कोर्स बन कर उभरा है। वर्तमान में भारत-चीन एक-दूसरे से व्यापारिक रिश्तों को नकार नहीं सकते। विश्व अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान हासिल करने के लिए इस दिशा में कदम बढ़ाना जरूरी भी होगा। ऐसे में चाइनीज बिजनेस कोर्स की मदद से विद्यार्थी दोनों देशों में बन रहे आर्थिक समीकरणों में अपनी सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं।'

कॉलेज के दौरान लिए गए विषय निश्चित तौर पर पसंदीदा जॉब हासिल में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, पर ऐसे भी मामले मिलते हैं, जहां लोग संयोगवश दूसरे क्षेत्रों में करियर बना बैठते हैं या फिर अपने करियर के दौरान ऐसे फंस जाते हैं, जहां उनके लिए समझना मुश्किल हो जाता है कि अब वे किस ओर कदम बढ़ाएं। दो से तीन वर्ष नौकरी कर चुकने वाले विशेषज्ञता प्राप्त उम्मीदवार और बड़े अधिकारी भी यह मानते हैं कि बदलावों से गुरेज करना और अपनी स्किल्स को बढ़ाने का प्रयास न करना एक स्तर पर आकर उम्मीदवार की प्रगति को बाधित कर देता है। जिस तेजी से कार्यस्थल और उनकी नीतियां बदल रही हैं, यह पहले से भी जरूरी हो गया है कि उम्मीदवार खुद को उपयोगी बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। थोलोंस ग्लोबल इंस्टीट्यूट में एमडी अंकिता वशिष्ठ के अनुसार, 'जॉब मार्केट में खुद को रोजगार योग्य और उपयोगी बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है। वर्कप्लेस पर बढ़ती विविधता और नित बदलती तकनीक ने कर्मचारियों पर नई तकनीक और कार्य प्रणाली को सीखने का दबाव बनाया है। उदाहरण के लिए, यदि कोई नई तकनीक मसलन बिग डाटा और एनालिटिक्स में करियर बनाना चाहता है तो उसके लिए स्टैटिस्टिक्स में क्रैश कोर्स करना फायदेमंद हो सकता है।

एक परंपरागत मार्केटिंग व्यक्ति के लिए डिजिटल मार्केटिंग में अनुभव बढ़ाना लाभप्रद रहेगा। इसी तरह अन्य उम्मीदवार खुद को किसी ऑनलाइन कोर्स या डेवलमेंट प्रोग्राम से भी जोड़ सकते हैं।' ग्लोबल रिक्रूटमेंट फर्म केली सर्विसेज के हालिया अध्ययन के अनुसार विश्व परिदृश्य की तुलना में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बड़े स्तर पर कर्मचारी तेजी से उभरते बाजार में अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जता रहे हैं। 69% भारतीय कर्मचारी आगे बढ़ने के लिए उच्च शिक्षा और प्रशिक्षण हासिल करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं। यह संख्या यूरोप और अमेरिका की तुलना में अधिक है। पहले बैंकों में नौकरी में उन्हीं लोगों को रखा जाता था, जो पहले बैंक में नौकरी करते रहे हैं। इसी तरह एफएमसीजी कंपनियां भी इसी क्षेत्र के अनुभव को वरीयता देती थीं। पर वह समय बीत गया है। आज कंपनियां विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वालों को रखना पसंद करती हैं। यानी गतिशील बाजार में खुद को रोजगार योग्य बनाने व उच्च पदों को कुशलता से संभालने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत होगी ही।'

रोचक तथ्य - 57 प्रतिशत प्रतिभागियों ने अपने वर्तमान नियोक्ता के पास ही पदोन्नति को ध्यान में रखते हुए अपनी स्किल्स में इजाफा करने की इच्छा जतायी। वहीं 47 प्रतिशत के अनुसार वे दूसरी कंपनी में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे।

70 प्रतिशत के अनुसार सबसे महत्वपूर्ण और उपयोगी स्किल नौकरी करते हुए हासिल की जा सकती है। उसके बाद 58 प्रतिशत ने शिक्षा और प्रशिक्षण को जरूरी बताया है। 26 प्रतिशत के अनुसार सेमिनार और वेबिनार से भी नई स्किल सीखने में मदद मिलती है। 42 प्रतिशत के अनुसार वे किसी नए कार्यक्षेत्र में जाने के लिए अपनी स्किल्स में इजाफा करना पसंद करेंगे। इन सब में गणित, इंजीनियरिंग और आईटी कर्मियों ने खुद को आगे बढ़ाने के लिए री-स्किलिंग को अन्य की अपेक्षा अधिक महत्व दिया है। 31 देशों से लगभग 1 लाख 20 हजार कर्मियों ने इस सर्वे में भाग लिया। अमेरिका में उम्मीदवारों ने प्रमोशन हासिल करने के लिए प्रशिक्षण हासिल करने की जरूरत जतायी। वहीं कुछ देशों में कर्मियों ने प्रमोशन पाने और नए नियोक्ता के यहां नौकरी पाने के लिए री स्किलिंग को जरूरी बताया।

कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी, वृद्धि सुस्त पड़ी

नई दिल्ली । कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी के चलते भारत में फरवरी में सेवा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त पड़ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को इसकी जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक फरवरी में 60.6 रहा, जो इसके पहले जनवरी में 61.8 था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। भारत की सेवा पीएमआई से पता चलता है कि सेवा क्षेत्र में विस्तार की गति जनवरी के मुकाबले फरवरी में कम हो गई है। भारत में सेवा कंपनियों को विदेश से मिलने वाले नए कारोबार में लगातार तेरहवें महीने वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के मुताबिक भविष्य की व्यावसायिक गतिविधि के लिए सेवा कंपनियों का पूर्वानुमान सकारात्मक रहा, हालांकि यह पहले के मुकाबले थोड़ा कमजोर पड़ गया।

एक्सिकॉम के शेयर 87 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । ईवी चार्जर बनाने वाली कंपनी एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 142 रुपये के मुकाबले करीब 87 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 85.91 प्रतिशत बढ़कर 264 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में शेयर 93.27 प्रतिशत बढ़कर 274.45 रुपये पर पहुंच गए। इस तरह शेयर एनएसई पर 86.61 प्रतिशत बढ़कर 265 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। एक्सिकॉम टेली-सिस्टम्स लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को 129.52 गुना अभिदान मिला था।

प्लैटिनिम के शेयर 33 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली । स्टेबिलाइजर बनाने वाली कंपनी प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 171 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 33 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध हुए। शेयर बीएसई पर 33.33 प्रतिशत बढ़कर 228 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। बाद में भाव 38.59 प्रतिशत बढ़कर 237 रुपये पर पहुंच गया। प्लैटिनम इंडस्ट्रीज के शेयर एनएसई पर 31.57 प्रतिशत की तेजी के साथ 225 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। कंपनी का बाजार मूल्याकंन 1,241,30 करोड़ रुपये है। कंपनी के आईपीओ को 98.99 गुना अभिदान मिला था।

आईईएक्स पर फरवरी में ऊर्जा कारोबार 15 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । भारतीय ऊर्जा बाजार (आईईएक्स) ने बताया कि उसके मंच पर फरवरी में सकल ऊर्जा कारोबार सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत बढ़कर 946.2 करोड़ यूनिट हो गया। आईईएक्स ने एक बयान में कहा कि फरवरी 2024 के दौरान एक दिन बाद की खरीद में औसत बाजार कीमत 4.93 रुपये प्रति यूनिट थी। यह राशि सालाना आधार पर 26 प्रतिशत कम थी। बयान के मुताबिक समीक्षाधीन महीने में एक्सचेंज पर बिक्री बोलियां सालाना आधार पर 47 प्रतिशत बढ़ीं। आईईएक्स ने फरवरी 2024 में कुल 946.2 करोड़ यूनिट का कारोबार हासिल किया, जो सालाना आधार पर 15.4 प्रतिशत अधिक है। एक दिन बाद की खरीद (डीएएम) की मात्रा पिछले महीने 472.2 करोड़ यूनिट थी, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 466.4 करोड़ यूनिट थी। तत्काल खरीद के बिजली बाजार (आरटीएम) में इस साल फरवरी में 234 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जबकि फरवरी 2023 में यह 171.4 करोड़ यूनिट था।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों के नीचे आने से आई है। आज के कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी नीचे आया है। ये 0.17 फीसदी और 0.63 फीसदी कमजोर होकर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई मानक सूचकांक सेंसेक्स 195.16 अंक करीब 0.26 फीसदी नीचे आकर 73,677.13 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 73,412.25 और 73,915.54 के बीच कारोबार हुआ। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 49.30 अंक तकरीबन 0.22 फीसदी टूटा है। निफ्टी दिन के अंत में 22,356.30 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान आज 22,269.15 और 22,416.90 के बीच कारोबार हुआ।

वहीं गत दिवस बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से बाजार गिरावट के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स 125 अंक की गिरावट के साथ 73735 के आसपास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी में घी 41.15 अंक की गिरावट के साथ 22,365 के आसपास कारोबार हुआ। प्री-ओपनिंग सत्र में बेंचमार्क इंडेक्स सपाट कारोबार कर रहे हैं। सेंसेक्स 10.67 अंक नीचे 73,861.62 पर और निफ्टी 19.40 अंक गिरकर 22,386.20 पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई के फैसले से आईआईएफएल फाइनेंस में आया भूचाल

मुंबई । केंद्रीय बैंक आरबीआई की कार्रवाई ने आईआईएफएल फाइनेंस के शेयरों पर तगड़ी स्ट्राइक की है। आरबीआई ने इस तत्काल गोल्ड लोन बांटने से रोक दिया है, इसकारण शेयरों को तगड़ा झटका लगा है।मंगलवार को कारोबार की शुरुआत होते ही इसके शेयर 20 फीसदी टूटकर लोअर सर्किट पर आ गए। पिछले साल इसके शेयर 16 अक्टूबर 2023 को एक साल के हाई 704.20 रुपए और 14 मार्च 2023 को एक साल के निचले स्तर 408.40 रुपए पर थे। आरबीआई ने आईआईएफएल फाइनेंस पर गोल्ड लोन बांटने पर रोक लगा दिया है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो चुका है। इस मामले में कंपनी ने सफाई दी हैं कि आरबीआई ने जो आपत्तियां जाहिर की हैं, उस पर तुरंत एक्शन लेकर गोल्ड लोन सर्विसेज में दिक्कत नहीं आने दिया जाएगा। आईआईएफएल फाइनेंस देश के 25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 2721 नगरों और शहरों में गोल्ड लोन मुहैया कराता है। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने आरबीआई की कार्रवाई के बावजूद इसकी खरीदारी की रेटिंग को बरकरार रखा है। इसका टारगेट प्राइस 765 रुपए फिक्स किया है।

एसबीआई ने चुनावी बांड की जानकारी देने सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक मांगा समय

नई दिल्ली । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी जानकारी को जमा करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से 30 जून तक का समय मांगा है। एसबीआई ने कहा है कि कोर्ट ने जो 3 हफ्ते का समय दिया था वह पर्याप्त नहीं है। एसबीआई ने राजनीतिक दलों द्वारा भुनाए गए प्रत्येक चुनावी बॉण्ड का खुलासा करने के लिए 30 जून तक समय बढ़ाने का उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया। पिछले महीने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 6 मार्च तक निर्वाचन आयोग को इसकी पूरी जानकारी पेश करने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए एक आवेदन में एसबीआई ने दलील दी कि प्रत्येक साइलो से जानकारी फिर से प्राप्त करना और एक साइलो की जानकारी को दूसरे से मिलाने की प्रक्रिया में समय लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को जानकारी शेयर करने का भी निर्देश दिया था, जिसमें प्रत्येक चुनावी बॉण्ड की खरीद की तारीख, बॉण्ड के खरीदार का नाम और खरीदे गए चुनावी बॉण्ड का मूल्य शामिल हो। याचिका में कहा गया है कि चुनावी बॉण्ड को डिकोड करना और दानकर्ताओं द्वारा दिए गए दान का मिलान करना एक जटिल प्रक्रिया होगी। उच्चतम न्यायालय ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसले में राजनीति के वित्तपोषण के लिए लाई गई चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए निरस्त कर दिया था तथा चंदा देने वालों, बॉण्ड के मूल्यों और उनके प्राप्तकर्ताओं की जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया था। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले अपने फैसले में शीर्ष अदालत ने एसबीआई को छह साल पुरानी योजना में दानकर्ताओं के नामों का निर्वाचन आयोग को खुलासा करने का आदेश दिया था।

वॉट्सऐप ने 67 लाख अकाउंट पर लगाया प्रतिबंध

-जनवरी में रिकॉर्ड 14,828 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने नए आईटी नियम 2021 के अनुपालन में जनवरी महीने में भारत में 67 लाख से अधिक अकाउंट पर प्रतिबंध लगा दिया है। वॉट्सैप ने अपनी मंथली रिपोर्ट में कहा कि यूज़र्स की किसी भी रिपोर्ट से पहले इनमें से लगभग 1,358,000 अकाउंट पर एक्टिव रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। 1 से 31 जनवरी के बीच कंपनी ने 6,728,000 अकाउंट्स को बैन कर दिया है। सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म वॉट्सऐप को जनवरी में देश में रिकॉर्ड 14,828 शिकायत रिपोर्ट प्राप्त हुईं थी और 10 पर एक्शन हुआ। 'अकाउंटस एक्शन' उन रिपोर्टों को दर्शाता है, जहां वॉट्सऐप ने रिपोर्ट के आधार पर उपचारात्मक कार्रवाई की और कार्रवाई करने का मतलब या तो किसी खाते पर प्रतिबंध लगाना है या परिणामस्वरूप पहले से प्रतिबंधित खाते को बहाल करना है।

कंपनी के अनुसार, 'इस यूज़र-सिक्योरिटी रिपोर्ट में प्राप्त शिकायतों और वॉट्सऐप द्वारा की गई कार्रवाई के साथ-साथ हमारे प्लेटफॉर्म पर दुरुपयोग से निपटने के लिए वॉट्सऐप की अपनी कार्रवाइयों की जानकारी भी शामिल है।' लाखों भारतीय सोशल मीडिया यूज़र्स को सशक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार ने शिकायत अपीलीय समिति (जीएसी) की शुरुआत की है, जो कंटेंट और अन्य मुद्दों के संबंध में उनकी परेशानियों को देखती है।

नया बनाया गया पैनल, बिग टेक कंपनियों पर लगाम लगाने के लिए देश के डिजिटल कानूनों को मजबूत करने की दिशा में एक कदम है, जो सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के फैसलों के खिलाफ यूज़र्स द्वारा की गई अपील पर गौर करेगा। वॉट्सऐप ने एक बयान में कहा, 'हम दुरुपयोग को रोकने और मुकाबला करने में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग सेवाओं के बीच सुरक्षा सुविधाओं और नियंत्रणों के अलावा इंजीनियरों, डेटा वैज्ञानिकों, विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और कानून प्रवर्तन में विशेषज्ञों की टीम गठित करते हैं।'

एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर का मुकदमा

मुकदमा करने वालों में ट्विटर के पूर्व सीईओ सहित चार पूर्व उच्चाधिकारी शामिल

नई दिल्ली ।

ट्विटर के पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित चार पूर्व उच्च स्तर के अधिकारियों ने एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर से अधिक का मुकदमा दायर किया है। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि एलन मस्क के खिलाफ कार्रवाई लेने वाले अन्य लोगों में ट्विटर के पूर्व चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर नेड सेगल, पूर्व लीगल चीफ ऑफिसर विजया गड्डे और पूर्व जनरल काउंसिल सीन एडगेट के नाम भी शामिल हैं। गौरतलब है कि पूर्व सीईओ पराग अग्रवाल सहित चार पूर्व ट्विटर अधिकारियों ने कंपनी के वर्तमान सीईओ एलन मस्क पर 128 मिलियन डॉलर के अवैतनिक विच्छेद भुगतान के लिए मुकदमा दायर किया है। ट्विटर के पूर्व अधिकारियों ने दावा किया है कि जब मस्क ने 2022 में 44 बिलियन डॉलर की डील के बाद ट्विटर की कमान संभाली तो उन्होंने सार्वजनिक रूप से लगभग 200 मिलियन डॉलर के उनके विच्छेद भुगतान को रोकने की कसम खाई थी। कैलिफोर्निया की अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर 38 पन्नों की शिकायत में अग्रवाल के वकीलों ने कहा जैसा कि ब्लूमबर्ग ने लिखा है, मस्क के नियंत्रण में, ट्विटर एक उपहास बन गया है, जो कर्मचारियों, मकान मालिकों, विक्रेताओं और अन्य लोगों को परेशान कर रहा है। मस्क अपने बिलों का भुगतान नहीं करते हैं, उनका मानना है कि नियम उन पर लागू नहीं होते हैं, और जो भी उनसे असहमत हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार करने के लिए अपने धन और शक्ति का उपयोग करते हैं। उन्होंने अपने समाप्ति पत्रों में दावा किया कि प्रत्येक वादी ने इस दावे के समर्थन में एक भी तथ्य का हवाला दिए बिना घोर लापरवाही और जानबूझकर कदाचार किया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार अग्रवाल, गड्डे और अन्य पूर्व कर्मचारियों ने पहले भी मुकदमा दायर किया था और डेलावेयर अदालत से फैसला जीता था, जिसने ट्विटर को सोशल मीडिया कंपनी के लिए काम करने के दौरान किए गए कानूनी शुल्क में 1.1 मिलियन डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया था।

1 अप्रैल को एक हो जाएंगे फिनकेयर और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक

नई दिल्ली । रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के विलय को मंजूरी दे दी है। इसके बाद एक अप्रैल, 2024 से फिनकेयर की सभी ब्रांच एयू एसएफबी के नाम से काम करेंगी। इस फैसले से प्राइवेट सेक्टर के एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक की स्थिति और मजबूत हो जाएगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने 30 अक्टूबर, 2023 को फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ मर्जर का ऐलान किया था। बैंक ने बताया था कि शेयरहोल्डर्स से मंजूरी मिलने के बाद आरबीआई और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से नियामकीय अनुमे ति के लिए प्रयास किया जाएगा। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने बताया कि फिनकेयर के प्रमोटर्स लगभग 700 करोड़ रुपए की पूंजी इस मर्जर के बाद लगाएंगे। सौदे के तहत गैर लिस्टेड फिनकेयर के शेयरहोल्डर्स को उनके प्रत्येक 2000 शेयरों के बदले लिस्टेड एयू एसएफबी के 579 शेयर मिलेंगे। दोनों बैंकों के मर्जर के बाद फिनकेयर एसएफबी के एमडी और सीईओ राजीव यादव एयू एसएफबी के डिप्टी सीईओ बनेंगे। साथ ही फिनकेयर एसएफबी के बोर्ड की डायरेक्टर दिव्या सहगल एयू एसएफबी के बोर्ड को ज्वॉइन करेंगी। इन दोनों बैंक के मर्जर को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग से मंजूरी इसी साल 23 जनवरी को मिली थी। एयू एसएफबी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी थी।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के भाव बदले

- ब्रेंट क्रूड हल्की गिरावट के साथ 82.80 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट नजर आ रही है। मंगलवार डब्ल्यूटीआई क्रूड बढ़कर 78.51 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 82.80 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा भाव जारी कर दिए हैं। बिहार में पेट्रोल 36 पैसे और डीजल 34 पैसे महंगा हो गया है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 और डीजल 41 पैसे महंगा हो गया है। इसके अलावा केरल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, अरुणाचल प्रदेश और तेलंगाना में पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 14 और डीजल 13 पैसे सस्ता हुआ है। राजस्थान में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में क्रमशः 18 और 16 रुपये की गिरावट है। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97 रुपये और डीजल 90.14 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

चीन ने रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाया

- अर्थव्यवस्था में वृद्धि का लक्ष्य 5 फीसदी रखा

नई दिल्ली ।

चीन ने मंगलवार को अपना रक्षा बजट 7.2 प्रतिशत बढ़ाने की घोषणा की है जो पहले ही दुनिया का दूसरा सबसे अधिक रक्षा बजट है। दुनिया में सबसे ज्यादा रक्षा बजट अमेरिका का है जो 222 अरब डॉलर का है। अमेरिका, ताइवान, जापान और दक्षिण चीन सागर पर दावा जताने वाले पड़ोसी देशों के साथ तनाव को हाई-टेक सैन्य प्रौद्योगिकियों में वृद्धि की वजह माना जा रहा है जिसमें स्टील्थ लड़ाकू विमान से लेकर विमानवाहक पोत और परमाणु हथियारों के शस्त्रागार में वृद्धि शामिल है। चीन की विधायिका की वार्षिक बैठक के उदघाटन सत्र में मंगलवार को घोषित किए बजट के आधिकारिक आंकड़ों को कई विदेशी विशेषज्ञ सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सैन्य इकाई पीपुल्स लिबरनेशन आर्मी द्वारा किए खर्च का केवल एक अंश मानते हैं। प्रधानमंत्री ली क्विंग ने मंगलवार को सुरक्षा तथा अर्थव्यवस्था के संबंध में सरकार की योजनाओं और प्रदर्शन पर एक वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि इस साल के लिए चीन का आर्थिक वृद्धि लक्ष्य करीब पांच प्रतिशत है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए उपभोक्ता खर्च बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दे रही है। आवासीय दरों में गिरावट और नौकरियों को लेकर चिंता होने से कई परिवार अधिक खर्च करने से बच रहे हैं या खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

पिछले साल अर्थव्यवस्था में 5.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी लेकिन यह 2022 में तीन प्रतिशत की बहुत कम दर की वार्षिक वृद्धि के बाद हुई थी। जब देश में कोविड-19 महामारी के कारण कई बाधाएं आई थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेतृत्व नीतियों के प्रबंधन में सुधार लाने का प्रयास करेगा।

वीवो वी30 सीरीज़ के दो फोन होंगे लॉन्च

-12जीबी रैम से मचेगा तहलका

नई दिल्ली ।

भारत में 7 मार्च को वीवो वी30 सीरीज़ के दो फोन को लॉन्च किया जाएगा। टिप्सटर अभिषेक यादव के दावे के मुताबिक वीवो वी30 को 33,999 रुपये और वीवो वी30 प्रो को 41,999 रुपये में लॉन्च किया जाएगा। कहा जा रहा है कि वीवो वी30 अंडमान ब्लू, क्लासिक ब्लैक और पीकॉक ग्रीन में उपलब्ध होगा, और ये 8जीबी+128जीबी, 8जीबी+256जीबी और 12जीबी+256जीबी स्टोरेज ऑप्शन के साथ आएगा। दूसरी तरफ वीवो वी30 प्रो अंडमान ब्लू, क्लासिक ब्लैक, पीकॉक ग्रीन कलर में आ सकता है। इसे 8जीबी+256जीबी और 12जीबी+512जीबी स्टोरेज के साथ पेश किया जा सकता है। फोन के भारतीय वेरिएंट के स्पेसिफिकेशन के बारे में कंफर्मेशन नहीं हुई हैं, लेकिन वीवो वी30 और वी30 प्रो के इंडोनेशिया वेरिएंट से अंदाज़ा लगाया जा सकता है। दोनों फोन में 120एचझेड रिफ्रेश रेट, 300 एचझेड टच सैंपलिंग रेट के साथ 6.78-इंच कर्व्ड 1.5के (1,260 गुणा 2,800 पिक्सल) अमोलेड डिस्प्ले दिया जा सकता है। ये 2,800 निट्स पीक ब्राइटनेस के साथ आएगा। इसका बेस मॉडल वीवी वी30 क्वालकॉम के स्नैपड्रैगन 7 जेन 3 चिपसेट से लैस हो सकता है। जबकि प्रो मॉडल मीडियाटेक डाइमेंशन 8200 एसओसी से लैस हो सकता है। कैमरे के तौर पर वीवो वी30 में डुअल रियर कैमरा सेटअप मिलता है जिसमें ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (ओआईएस) सपोर्ट के साथ 50-मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर और अल्ट्रा-वाइड-एंगल लेंस के साथ 50-मेगापिक्सल का दूसरा सेंसर दिया गया है। वीवो वी30 प्रो में ट्रिपल रियर कैमरा यूनिट के अलावा 50 मेगापिक्सल का पोर्ट्रेट लेंस भी है। सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए दोनों फोन में 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा है। ये दोनों फोन एंड्रॉयड 14 पर बेस्ड फनटच ओएस 14 पर चलते हैं। पावर के लिए दोनों स्मार्टफोन में 5,000 एमएएच की बैटरी मिलती है जो 80डब्ल्यू वायर्ड फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है।कंपनी ने इन फोन के बारे में ऑफिशियल तौर पर ऐलान कर दिया है, और फ्लिपकार्ट पर इसके लिए माइक्रोसाइट लाइव कर दी गई है।

जापान में अब नहीं होगी कार ड्राइवरों की जरुरत

-स्वयं चलने वाली गाड़ियों को उतारेगी सरकार

नई दिल्ली । क्या आपने सोचा है कि जब कार चलाने वाले ड्राइवर ही न हों तब क्या होगा? दरअसल, इन दिनों दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कुछ ऐसी ही समस्या से दो-चार हो रही है। इस समस्या से बचने जापान की सरकार अब लोगों को ऐसी टैक्सी सर्विस देने की तैयारी कर रही है जिसमें कार चलाने के लिए ड्राइवर की जरूरत ही नहीं होगी। जापान में घटती कार ड्राइवरों की संख्या की एक बड़ी वजह जापान की कम होती आबादी है। 2021 में जापान की जनसंख्या वृद्धि दर -0.5 प्रतिशत थी, यानी जापान की आबादी बढ़ने के बजाय घट रही है। इस वजह से जापान में कंपनियों के पास कर्मचारियों की भारी कमी हो गई है। वहीं टैक्सी और फ्लीट जैसी सेवाओं के लिए नए ड्राइवर नहीं मिल रहे हैं। ड्राइविंग के लिए अधिकतम उम्र की सीमा तय कर चुके ड्राइवर रिटायर भी हो रहे हैं जिस वजह से यह संकट और गहरा गया है। हालांकि, जापान इस समस्या का समाधान तकनीक की मदद से निकालने का प्रयास करता दिख रहा है। जापान की कार निर्माता निसान ने हाल ही में सेल्फ ड्राइविंग तकनीक से लैस कारों को उतारने का ऐलान किया है। कंपनी का कहना है कि वह 2027 में पहली ऑटोनोमस सेल्फ ड्राइविंग कार लॉन्च करेगी। इसके लिए कंपनी ने जापान के योकोहामा शहर में सेल्फ ड्राइविंग कार की टेस्टिंग शुरू करने वाली है। कंपनी ऐसी तकनीक के लिए सुरक्षा और विनियमन संबंधी मामलों पर सरकारी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है। दुनिया के कई हिस्सों में सेल्फ ड्राइविंग कारें जांच के दायरे में आ गई हैं। हालांकि, जापान में ऐसी तकनीकी क्षमताओं वाले वाहनों की आवश्यकता अन्य विकसित देशों की तुलना में कहीं अधिक हैं। निसान रिसर्च एंड एडवांस इंजीनियरिंग के वाईस प्रेजिडेंट खजुहीरो डोई ने कहा कि जापान परिवहन संबंधी एक बड़ी समस्या का सामना कर रहा है, जो भविष्य में और भी बड़ी हो जाएगी।

सचिन ने अनंत और राधिका को अनौखे अंदाज में बधाई दी

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने मुकेश और नीता अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट को अपने ही अंदाज में बधाई दी है। सचिन ने प्री वेडिंग समारोह में अनंत और राधिका आशीर्वाद देते हुए एलबीडब्ल्यू कहकर इस शब्द को एक नया अर्थ दिया। सचिन ने अनंत और राधिका के जामनगर में हुए तीन दिवसीय प्री वैडिंग समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए लिखा, एलबीडब्ल्यू का मतलब अनंत और राधिका के लिए प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाएं है! इस खूबसूरत जोड़ी को शुभकामनाएं। अनंत की प्री-वेडिंग पार्टी में सचिन के अलावा कई प्रमुख भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया है। समारोह में रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, जहीर खान, ड्वेन ब्रावो, एमएस धोनी भी नजर आए थे। सचिन आईपीएल सत्र में अंबानी परिवार के मालिकाना अधिकार वाली मुंबई इंडियंस टीम के मैंटोर की भूमिका निभाते हुए दिखेंगे। मुम्बई ने अब तक 5 आईपीएल खिताब जीते हैं ओर सचिन इस संख्या को और बढ़ाना चाहेंगे। मुम्बई ने इस सत्र के लिए हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया है।

अपने 100वें टेस्ट से पहले अश्विन ने कहा, 'मैंने अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं लिया जितना मुझे लेना चाहिए था'

नई दिल्ली,

भारतीय स्पिन लीजेंड रविचंद्रन अश्विन अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्होंने खुलासा किया कि मैंने अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं लिया जितना मुझे लेना चाहिए था क्योंकि वह हर दौरे के बाद एक बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए अपने आप में वापस चले जाते हैं। धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ 7 मार्च से शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान, अश्विन खेल के लंबे प्रारूप में अपना 100वां मैच खेलेंगे। राजकोट में चल रही श्रृंखला के तीसरे टेस्ट में, अश्विन 500 टेस्ट विकेट हासिल करने वाले नौवें और अनिल कुंबले के बाद दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए तथा मुथैया मुरलीधरन, शेन वार्न, जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्रॉड, कुंबले, ग्लेन मैकग्रा, कर्टनी वॉल्श और नाथन लियोन जैसे गेंदबाजों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए। इसके अलावा, उन्होंने घरेलू टेस्ट में 350 विकेट की बाधा को तोड़ दिया और कुंबले को पीछे छोड़ते हुए भारत के शीर्ष विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अश्विन ने 99 टेस्ट मैचों में 507 विकेट, 116 वनडे में 156 विकेट और 65 टी20 में 72 विकेट लिए हैं। अपने महत्वपूर्ण अवसर से पहले, अश्विन कुंबले के साथ जियोसिनेमा पर स्पिन मास्ट्रोस कार्यक्रम में बातचीत कर रहे थे। यह पूछे जाने पर कि यदि चीजें सही नहीं होती हैं या सही होती हैं तो आप किस पर भरोसा करते हैं? अश्विन ने कहा,: मैं एक व्यक्ति के पास वापस जाता हूं और यह उस व्यक्ति के लिए बहुत तनावपूर्ण है। वह व्यक्ति मैं हूं। उन्होंने कहा,÷क्योंकि मुझे लगता है कि क्रिकेट सबसे महान आत्म-विचार वाले खेलों में से एक है। और यदि आप अपने बारे में निर्दयी और बहुत आलोचनात्मक हैं, तो मुझे लगता है कि यह आपके चेहरे पर सच्चाई देखेगा। भारत में पर्याप्त और अधिक आलोचक हैं जो ऐसा करेंगे आपको बता देंगे, उनमें से 10 आपको गलत बातें बताएंगे, लेकिन वे निश्चित रूप से आलोचनात्मक हैं। लेकिन उनमें से 10 आपको सही चीजें भी बताएंगे। इसलिए, जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, मेरी सबसे बड़ी पीड़ा यह है कि मैं अपनी सफलता का उतना आनंद नहीं ले पाता, जितना मुझे लेना चाहिए था। लेकिन, इससे मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनने में भी मदद मिली है। मैंने लगातार चीजों में सुधार की तलाश की है और मैंने यह सुनिश्चित कर लिया है कि किसी विशेष दिन मैं जो हूं उससे मैं बहुत असहज हूं। और फिर मैं ड्राइंग बोर्ड पर वापस आता हूं और इस पर ध्यान केंद्रित करता हूं कि खेल में और अधिक लाने के लिए मैं और क्या कर सकता हूं। अश्विन ने कहा, उदाहरण के लिए, स्टीवन स्मिथ ने मेरे खिलाफ शतक बनाया है, मैं उसे कैसे पकड़ सकता हूं, या जो रूट ने शतक बनाया है, मैं उसे कैसे पकड़ सकता हूं। इसलिए लगातार वह विचार एक नई कार्रवाई शुरू करता है और अंततः इसने मेरे लिए वर्षों काम किया है इसलिए मैं वहां आराम से बैठा हूं।

कश्मीर की अनस और आयरा ने मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल में जीते स्वर्ण

नई दिल्ली ।

जम्मू कश्मीर की अनसा चिश्ती और आयरा चिश्ती ने रुसी मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन वर्ग 52 और 56 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। इन दोनो ने ही फाइनल में रूसी खिलाड़ियों को हराया और अपने प्रशंसकों के साथ-साथ अपने प्रदेश और देश का नाम रौशन किया है। जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल की प्रमुख नुजहत गुल ने सोशल मीडिया पर घाटी की इन दो प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने वजन वर्ग 52 और 56 में असाधारण प्रदर्शन किया है। उन्होंने फाइनल में रूसी खिलाड़ियों को हराया और अपने प्रशंसकों के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों का सम्मान बढ़ाया है।

आयरा का ये तीसरा अंतरराष्ट्रीय पदक है। इस महिला खिलाड़ी ने इससे पहले उन्होंने जॉर्जिया में स्वर्ण और इंडोनेशिया में विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य

पदक जीता था। अब यह अंतरराष्ट्रीय वुशु चैम्पियनशिप में लगातार तीसरा पदक है और पिछले साल उन्हें राज्य पुरस्कार के लिए भी चुना गया था। आयरा पहली वुशु महिला एथलीट हैं जिन्हें इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया था। वहीं इसी प्रकार अंतराष्ट्रीय वुशु चैंपियनशिप में दूसरा पदक जीतने वाली अनसा ने इससे पहले जॉर्जिया इंटरनेशनल वुशु चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था।

रशिया में गोल्ड मेडल जीतकर वैष्णवी ने देश का गौरव बढ़ायाः मुख्यमंत्री यादव

भोपाल । रशिया में आयोजित इंटरनेशनल मास्को वुशु चैम्पियनशिप के 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत कर मध्यप्रदेश के सतना की वैष्णवी को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा कि वैष्णवी ने एमपी सहित देश का गौरव बढ़ाया है। डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि एमपी और देश को आप पर गर्व है। उन्होंने पोस्ट में लिखा वैष्णवी बिटिया ने रशिया में आयोजित इंटरनेशनल मास्को वुशु चैम्पियनशिप-2024 में 48 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मैडल जीतकर सतना की बेटी वैष्णवी ने मध्यप्रदेश सहित देश का गौरव बढ़ाया है। प्यारी बिटिया आप ऐसे ही स्वर्णिम सफलताएं अर्जित कर आगे बढ़ती रहो आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं एवं ढेर सारा आशीर्वाद।

प्रणीत ने संन्यास लिया

नई दिल्ली ।

भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल बी साई प्रणीत ने खेल से संन्यास ले लिया है। 31 साल की उम्र में खेल को अलविदा कहने वाले प्रणीत ने साल 2019 की विश्व चैम्पियनशिप में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता था। प्रणीत ने 2019 विश्व चैंपियनशिप सत्र में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। इस प्रकार 36 साल बाद ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले भारतीय बने थे। इससे पहले साल 1983 में दिग्गज खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीता था।

साल 2019 प्रणीत के लिए बेहद अहम रहा था। विश्व चैंपियनशिप सत्र में कांस्य पदक जीतने के अलावा इस खिलाड़ी ने 2013 थाईलैंड ओपन के पहले राउंड में 2003 के ऑल इंग्लैंड चैंपियन मलेशिया के मुहम्मद हाफिज हाशिम को हराया था। उन्हें अर्जुन अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। प्रणीत ने उन्हें दिये समर्थन के लिए गोपीनाथ अकादमी

का भी आभार जताया है। हैदराबाद के स्टार खिलाड़ी ने अपने शानदार करियर को समाप्त करने की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने अपने इंस्टा अकाउंट पर एक पोस्ट में लिखा। भावनाओं के मिश्रण के साथ, मैं विदाई देने और उस खेल से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करने के लिए इन शब्दों को लिख रहा हूं जो 24 वर्षों से अधिक समय से मेरा जीवन रहा है। प्रणीत एक नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। आने वाले समय में वह अमेरिका में ट्रायंगल बैडमिंटन अकादमी के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं देते नजर आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु के कप्तान पर टिप्पणी के लिए कोच पर भड़के कार्तिक

मुम्बई । क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने तमिलनाडु के कप्तान साई किशोर पर टिप्पणी के लिए टीम के कोच सुलक्षण कुलकर्णी की आलोचना की है। कोच ने इससे पहले कहा था कि कप्तान साई के पहले बल्लेबाजी के फैसले के कारण ही टीम को सेमीफाइनल में मुम्बई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। कुलकर्णी ने पहले बल्लेबाजी करने के लिए साई को दोषी ठहराया और यहां तक कि दावा किया कि वे टॉस के साथ ही मैच भी हार गए थे जबकि मैंने कहा था कि इस प्रकार के मैदान पर पहले गेंदबाजी की जाती है। वहीं कार्तिक ने कोच द्वारा की गई टिप्पणियों की आलोचना की। विकेटकीपर ने कहा कि वह कुलकर्णी की टिप्पणियों से निराश हैं। उन्होंने साई का साथ देने की जगह उन्हें नीचा दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, यह बहुत गलत है। कोच की ओर से यह बहुत निराशाजनक टिप्पणी है जबकि उन्हें अपने कप्तान का समर्थन करना चाहिये था। उस कप्तान का समर्थन करने के की जगह जिसने 7 साल बाद टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया है और यह सोचकर कि यह अच्छी चीजों के होने की शुरुआत है, कोच ने अपने कप्तान को पूरी तरह से बाहर कर दिया है। मुंबई ने तमिलनाडु को सेमीफाइनल में पारी और 70 रनों से हरा दिया था।

आई पी एल में पंजाब किंग्स ने अब तक बदले हैं सबसे ज्यादा कप्तान

मुम्बई । 22 मार्च से शुरु हो रही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र से पहले प्रशंसक इस लीग को लेकर कई बातें जानना चाहते हैं। एक सवाल जो प्रशंसकों के मन में उठ रहा है वह ये है कि इसमें सबसे ज्यादा बार किस लीग ने कप्तान बदला है। तो इसका जवाब है पंजाब किंग्स जिसे पहले किंग्स इलेवन पंजाब के नाम से जाना जाता था। ये प्रीति जिंटा के मालिकाना अधिकार वाली टीम है। पंजाब किंग्स ने अब तक सबसे ज्यादा 15 कप्तान बदले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। तीसरा नंबर सनराइजर्स हैदराबाद का आता है। मुंबई इंडियंस ने 9 कप्तान बदले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और कोलकाता नाइटराइडर्स ने अब तक कुल 7 सात 7 कप्तान बदले हैं। वहीं आईपीएल का सबसे पहला खिताब जीतने वाले राजस्थान रॉयल्स ने अब तक 6 कप्तान बदले हैं। वहीं गुजरात टाइटंस ने तीन बार कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपर किंग्स ने अब केवल तीन बार कप्तान बदला है। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस को कप्तान बनाया है। वह इस टीम के 10वें कप्तान हैं।

यशस्वी को मिल सकता है फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड

दुबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में दो दोहरे शतक के साथ ही अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। ऐसे में वह फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी की दौड़ में सबसे आगे हो गये हैं। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की इस दौड़ में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन और श्रीलंका के पाथुम निसांका भी शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में यूएई की कविशा ई और ईशा ओझा और ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। आईसीसी ने कहा ,''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए महिला और पुरूष वर्ग में नामांकन घोषित कर दिये हैं। पिछले माह कई बड़े मुकाबले खेले गए हैं और आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में टेस्ट क्रिकेट में बड़े स्कोर बनाने वाले दो खिलाड़ी और हैं।''

यशसवी पहली बार इस पुरस्कार की रेस में हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में 655 रन बनाये हैं। उन्होंने विशाखापत्तनम और राजकोट में दोहरे शतक लगाये थे। राजकोट में उन्होंने एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक 12 छक्कों का रिकार्ड बनाया था। 22 साल और 49 दिन की उम्र में लगातार दो दोहरे शतक लगाकर यशस्वी सर डॉन ब्रैडमेन और विनोद कांबली के बाद दुनिया के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। वहीं दूसरे दावेदार न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज जीत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विलियमसन ने उन्होंने माउंड माउंगानुइ में खेले गये पहले टेस्ट में दो शतक लगाने के बाद हैमिल्टन में नाबाद 133 रन भी बनाये थे। वहीं श्रीलंका के निसांका ने अफगानिस्तान के खिलाफ पल्लेकेल में एकदिवसीय में पहला दोहरा शतक लगाया था।

प्रवीण ने कहा , गांगुली जैसे कप्तान हैं रोहित

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की सराहना करते हुए कहा है कि वह पूर्व कप्तान सौरव गांगुली जैसे हैं। प्रवीण ने कहा कि रोहित भी सौरव की तरह पहले तो खिलाड़ियों को डांटते हैं फिर बाद में उन्हें गले भी लगाते हैं। रोहित मैदान पर मैच के दौरान अपनी टीम के खिलाड़ियों को डांटते हैं पर साथ ही उन्हें निडर होकर भी खेलने को कहते हैं। इसी कारण उनकी तुलना गांगुली से की जाती है। प्रवीन ने कहा, रोहित एक बेहद शानदार कप्तान हैं। उन्होंने टीम का नेतृत्व बहुत ही बेहतरीन तरीके से किया है। वहीं गांगुली एक ऐसे कप्तान हुए जिन्होंने टीम को बनाया था। उन्होंने टीम को युवा और अनुभवी खिलाड़ियों को मिलाकर तैयार किया। वहीं रोहित भी यही कर रहे हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट में खेले गए टेस्ट मैच के दौरान दूसरी पारी में यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान को डांट लगाई थी। दोनों ड्रिंक के दौरान वापस आने लगे थे पर रोहित ने ड्रेसिंग रूम से ही दोनों को इशारे में डांट लगाते हुए कहा अभी बल्लेबाजी करो वापस आने किसने कहा है। यह वीडियो काफी ज्यादा वायरल भी हुआ था। इसके अलावा सरफराज खान को फिल्डिंग के दौरान हेलमेट ना लगाने पर कहा था कि ज्यादा हीरो मत बनो। इसके अलावा रवींद्र जडेजा को नो बॉल करने पर फटकारते हुए कहा था कि आईपीएल में तो नो बाल नहीं डालता। प्रवीन ने कहा, जब टीम के साथी खिलाड़ी गलती करते हैं तो उनको रोहित डांट लगाते हैं और इसके बाद जाकर गले भी लगाया करते हैं। वह अपने सभी खिलाड़ियों को मैच के दौरान प्रेरित करने के साथ ही सलाह भी देते हैं।

पीएसएल में मुनरो ने बॉल बॉय को दी फिल्डिंग टिप्स

लाहौर । यहां पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज कॉलिन मुनरो से फील्डिंग टिप्स पाकर एक बॉल बॉय ने शानदार कैच पकड़ा है। ये मामला सोमवार को इस्लामाबाद यूनाइटेड और पेशावर जाल्मी के बीच मुकाबले का है। मुनरो इस टूर्नामेंट में इस्लामाबाद स्थित फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस दौरान उन्होंने उस बच्चे को क्षेत्ररक्षण संबंधी कुछ सलाह भी दी जो सीमा के पार कैच पकड़ नहीं पाया था। यह मामला दूसरी पारी का है जब पेशावर जाल्मी टीम 197 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा कर रही थी। इस दौरान मुनरो डीप स्क्वायर लेग पर फील्डिंग कर रहे थे और बॉल बॉय उनके ठीक पीछे खड़ा था। पेशावर के अमीर जमाल ने एक छक्का लगाया। इस बॉल बॉय ने भी पकड़ने का प्रयास किया पर वह अफसला रहा। इसके बाद मुनरो ने इस बच्चे को कुछ टिप्स दी। इसका प्रभाव भी देखा गया। कुछ ओवर बाद ही आरिफ याकूब ने एक गेंद पर शॉट लगाया और ये गेंद मुनरो के ठीक पीछे गिरी। बॉल ब्वॉय ने इस बार कोई गलती नहीं करते हुए कैच ले लिया।

भारत-इंग्लैंड धर्मशाला टेस्ट के दौरान बारिश और ओले गिरने की संभावना

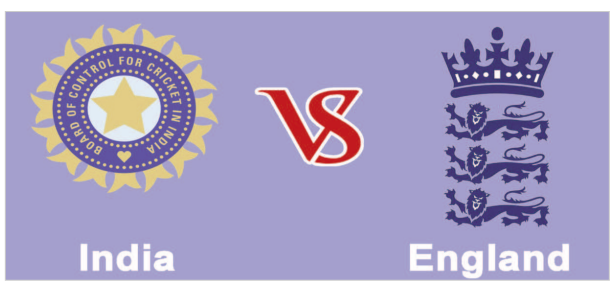

मुम्बई ।

भारत और इंग्लैंड के बीच सात मार्च से धर्मशाला में शुरु हो रहे पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में खराब मौसम बाधक बन सकता है। भारतीय टीम इस सीरीज में 3-1 से आगे है। ऐसे में अगर इस मैच में बारिश के कारण मैच नहीं होता है तो भी भारतीय टीम पर कोई प्रभाव नहीं होगा। मौसम विभाग के अनुसार मैच के दौरान धर्मशाला में ओले गिरने के साथ-साथ बारिश भी हो सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार 7 फरवरी को धर्मशाला में बारिश हो सकती है। इस दौरान बारिश के साथ साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो पहले दिन का खेल शायद ही हो पाये। इस दौरान दिन का सबसे अधिक तापमान 7 डिग्री जबकि सबसे कम 4 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इंग्लैंड के खिलाड़ियों को इतनी ठंडे मौसम में खेलने की आदत है पर भारतीय टीम के लिए खेलना आसान नहीं रहेगा। इससे पहले इस साल की शुरुआत में मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में भारतीय टीम ठंड से परेशान थी। अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले अभ्यास सत्र में अधिकतर क्रिकेटर ठिठुरते दिखे थे। ऐसे में पांच दिन तक खेलना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहेगा। पांचवे टेस्ट के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उप कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, केएस भरत, देवदत्त पडिक्कल, आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार, आकाशदीप।

मां की मौत से अब तक नहीं उबर पाये हैं कमिंस

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि गत वर्ष भारत दौरे पर जाना उनके लिए सबसे कठिन था। इसका कारण है कि उन्हें पता था कि मां की बिमारी के चलते उन्हें कभी भी स्वदेश लौटना पड़ा सकता है। कमिंस की मां की मौत हो गयी है और इस सदमे से वह अभी तक नहीं उबर पाये हैं। कमिंस ने कहा कि तब टेस्ट सीरीज के दौरान घर पर उनकी मां का इलाज चल रहा था। कमिंस की मां मारिया की पिछले साल कैंसर से मौत हो गयी थी। कमिंस ने में कहा, जब मैं भारत के लिए विमान में बैठ रहा था तो मुझे पता था कि मुझे कुछ सप्ताह में ही वापस घर लौटना होगा। कमिंस टेस्ट श्रृंखला के लिए भारत में थे पर बीच में ही वह दौरा छोड़कर स्वदेश लौट गये थे हालांकि तब उनके स्वदेश लौटने का कारण नहीं बताया गया था। , कमिंस ने कहा कि उन्होंने अपनी मां मारिया के अंतिम दिनों की यादों को निजी रखने की कोशिश की और उन्हें यह नहीं बताया कि पिछले साल भारत में दो टेस्ट खेलने के बाद वह घर क्यों चले आ गये थे। उन्होंने कहा, मां और पिताजी को एक साथ बैठकर मुझे खेलते हुए देखकर आनंद मिलता था। इससे मुझे जाने और खेलने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास मिला और वे इसके लिए बेताब थे, उन्होंने मुझे जाने और खेलने के लिए कहा जबकि मुझे पता था कि मुझे किसी भी समय वापस लौटना पड़ सकता है।

केंद्र सरकार के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर डॉ. योगेश दुबे की अध्यक्षता में दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए समीक्षा बैठक हुई

सूरत ।

केंद्र सरकार के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर डॉ. योगेश दुबे ने सूरत जिले के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की और विकलांगों के लिए उपलब्ध विभिन्न योजनाओं, रोजगार और सरकारी कार्यालयों में रैंप सहित सुविधाओं की समीक्षा की। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ.सौरभ पारधी भी उपस्थित थे।

जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित बैठक में डॉ. योगेश दुबे ने सूरत को पूरे देश में दिव्यांग अनुकूल शहर बनाने का अनुरोध किया. बैठक में उन्होंने जिला रोजगार अधिकारी से जिले में दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराये गये रोजगार का विवरण प्राप्त किया तथा दिव्यांगजनों को आरक्षण के अनुरूप नौकरियों में भर्ती किया गया है या नहीं। सड़क और भवन विभाग के अधिकारियों को जिले के सरकारी कार्यालयों में रैंप, रेलिंग, शौचालय, साइन बोर्ड, स्पर्श पथ, ब्रेल सहित सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। सरकारी कार्यालयों को च्सुगम्य भारतज् के दिशानिर्देशों के अनुसार काम करने के लिए कहा गया ताकि विकलांग लोग आसानी से घूम सकें। इसके अलावा उन्होंने जिले में दिव्यांगों के लिए उपलब्ध कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली और आवश्यक सुझाव दिये।

जिला सामाजिक सुरक्षा पदाधिकारी जिग्नेश चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 18213 दिव्यांगों को बस पास जारी किये गये हैं. जिनमें से इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांग पेंशन योजना के तहत 366 और संत सूरदास योजना के तहत 1482 और जीएमडीपीएस योजना के तहत 4479 लोगों को प्रति माह एक हजार पेंशन सहायता दी जाती है। विवाह सहायता योजना के तहत 70 दिव्यांगों को रुपये दिये जायेंगे। 50,000 की सहायता जबकि विवरण दिया गया कि 28,300 विकलांग व्यक्तियों को विशिष्ट विकलांगता आईडी जारी की गई है। बैठक से पहले उन्होंने सूरत शहर के दिव्यांग संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और दिव्यांगों के कल्याण के लिए और सुझाव लिए। दो दिवसीय दौरे के दौरान डॉ. योगेश दुबे ने सूरत में अंधजन स्कूल और मूक-बधिर बच्चों के स्कूल का दौरा किया और आवश्यक सुझाव दिए।

बैठक में नियोजनालय, सड़क एवं भवन, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा, सूचना विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

6 मार्च को 'विकसित भारत-विकसित गुजरात-नारी शक्ति वंदना' कार्यक्रम होगा

सूरत।

विकसित भारत 'विकसित गुजरात - नारी शक्ति वंदन' कार्यक्रम प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी द्वारा वर्चुअल माध्यम से 06/03/2024 को सुबह 10 बजे 13,000 से अधिक स्वयं सहायता समूह प्रति घंटे 1.30 लाख से अधिक महिलाओं को 250 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान करेंगे। इस मुख्य कार्यक्रम के साथ ही सूरत नगर निगम क्षेत्र के कुल 12 विधानसभा क्षेत्रों में भी कार्यक्रम होंगे।

इनमें ऑलपाड विधानसभा के उत्तर क्षेत्र अमरोली-छपराभाठा में स्कूल नंबर 352 नगर प्राथमिक-वीर मेघमाया प्राथमिक विद्यालय में वन, पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल, पूर्व में सरथाणा जकातनाका सरथाना सामुदायिक भवन में शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया शामिल हैं। कामरेज के जोन-बी, सूरत पूर्व के मजूरागेट में दयालजी आश्रम में विधायक। अरविंदभाई राणा, सूरत उत्तरी क्षेत्र में सामुदायिक भवन के बगल में वास्तादेवडी पार्टीप्लॉट में विधायक कांतिभाई बलार, जलक्रांति मैदान टीपी-4 (अश्विनी कुमार-नवागाम) वराछा में विधायक कुमारभाई कनानी। रोड, करंज विधान सभा (मगोब-डुंभल) में डीआर वर्ल्ड के सामने। विधायक प्रवीणभाई घोघारी श्यामाप्रसाद मुखर्जी सामुदायिक भवन में, विधायक संगीताबेन पाटिल लिंबायत के नीलगिरि मैदान में, विधायक मनुभाई पटेल छत्रपति शिवाजी स्पोर्ट्स स्कूल, साउथ जोन-ए, उधना में, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी स्कूल नंबर-11,12 नगर में मजूरा विधानसभा के अंबानगर-भटार में प्राथमिक विद्यालय, कतारगाम विधानसभा के सिंगणपुर (उत्तर क्षेत्र) के सुमन दर्शन आवास के पास विधायक विनोदभाई मोर्डिया, सूरत पश्चिम में अडाजण हनीपार्क रोड स्थित जोगानीनगर पार्टी प्लॉट में विधायक पूर्णेशभाई मोदी और सचिन सामुदायिक हॉल में विधायक संदीपभाई देसाई चोर्यासी विधानसभा के दक्षिण जोन-बी में पार्टी प्लॉट नवसारी मेन रोड के साथ उपस्थत रहेंगे।

सड़क सुरक्षा के बारे में जागरूकता पैदा करने में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 'गुजरात राज्य सड़क सुरक्षा पुरस्कार' प्रदान किया जाता है

सूरत । परिवहन मंत्री श्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में गांधीनगर में राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आयोजित की गई. बैठक में मंत्री श्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य सड़क सुरक्षा प्राधिकरण के उत्कृष्ट प्रदर्शन के फलस्वरूप भविष्य में राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में कमी आयेगी। राज्य सरकार प्रदेश में दुर्घटनाओं को रोकने के लिए तकनीक का समुचित उपयोग करेगी।

गुजरात में सड़क सुरक्षा और यातायात नियम अनुपालन के बारे में जागरूकता पैदा करने में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए परिवहन मंत्री द्वारा विभिन्न श्रेणियों में "गुजरात राज्य सड़क सुरक्षा पुरस्कार -2023" से सम्मानित किया गया। शहर-जिला सड़क सुरक्षा समिति श्रेणी में, शहर सड़क सुरक्षा समिति-सूरत को प्रथम रैंक, जिला सड़क सुरक्षा समिति-राजकोट को दूसरी रैंक और जिला सड़क सुरक्षा समिति-बनासकांठा को तीसरी रैंक मिली। ई-पुलिस कमिश्नर वबांग जमीर को मंत्री श्री हर्ष सांघवी द्वारा सवा लाख रूपये सम्मान राशि एवं शील्ड से सम्मानित किया गया।

बैठक में बंदरगाह एवं परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, श्री पंकज जोशी, अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग, राज्य पुलिस प्रमुख श्री विकास सहाय, गृह विभाग सचिव श्री निपुण तोरवणे, नगर विकास विभाग सचिव, परिवहन आयुक्त, गुजरात सड़क सुरक्षा प्राधिकरण के सड़क सुरक्षा आयुक्त ,जीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष सहित उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

स्पेक्ट्रम डाइज एंड केमिकल्स कंपनी, पलसाना में क्लोरीन गैस रिसाव का सफल मॉक ड्रिल

सूरत।

पलसाना स्थित स्पेक्ट्रम डाइज एंड केमिकल्स लिमिटेड के प्लांट में क्लोरीन टोनर लीक होने से कंपनी के कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। कंपनी के आपातकालीन संसाधनों, फायर ब्रिगेड, आपदा विभाग, सीएचसी और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से 40 मिनट की मशक्कत के बाद गैस रिसाव पर काबू पा लिया गया। गैस रिसाव के कारण संक्रमित हुए 2 कर्मचारियों को एम्बुलेंस द्वारा सिविल अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। दरअसल ये कोई त्रासदी नहीं, बल्कि एक मॉक ड्रिल थी।

आज पलसाना के स्पेक्ट्रम, डाइज़ एंड केमिकल्स लिमिटेड में त्वरित कार्रवाई एवं बचाव राहत कार्य की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य गैस रिसाव जैसी आपातकालीन स्थितियों में तत्काल सहायता प्रदान करके प्रभावित व्यक्तियों के जीवन की रक्षा करना और संबंधित विभागों में सतर्कता बनाए रखना, जनहानि को रोकना और तत्काल उपचार प्रदान करना था।

दोपहर तीन बजे कंपनी में टोनर वाल्व से गैस रिसाव शुरू हो गया। इसकी जानकारी क्लोरीन यार्ड सुपरवाइजर को हुई तो उन्होंने सेक्शन प्रभारी और सेफ्टी एचआर एंड सिक्योरिटी को सूचना दी, जिससे कंपनी के फायरमैन, ओएचसी स्टाफ और सिक्योरिटी मौके पर पहुंच गए। इमरजेंसी कंट्रोल ग्रुप की ओर से रिसाव रोकने की कोशिशें शुरू की गईं. लेकिन जैसे ही गैस रिसाव बढ़ रहा था, 03.08 पर ऑनसाइट आपातकाल घोषित कर दिया गया। स्थानीय संकट समूह को 03.22 बजे सूचित किया गया। सिटी प्रांतीय अधिकारी के नेतृत्व में सूरत लोकल क्राइसिस ग्रुप कमांड ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तुरंत ऑफसाइट आपातकाल की घोषणा कर दी। रिसाव स्थल के चारों ओर से पानी पंप करना शुरू किया गया। अंतत: रिसाव को सफलतापूर्वक रोक दिया गया। लोकल क्राइसिस ग्रुप के चेयरमैन की ओर से उपस्थित मामलतदार पलसाना एमवी पटेल ने 03.40 पर सारी मंजूरी दे दी।

गैस रिसाव से संक्रमित 2 कर्मचारियों को एम्बुलेंस से पलसाना जन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, कंपनी और फायर के संयुक्त प्रयास से आपदा प्रबंधन ने आपात स्थिति पर काबू पाया।

27 तारीख को 'तालुका स्वागत कार्यक्रम' में क्लास-1 अधिकारी मौजूद रहेंगे

सूरत। लोगों की लंबित जिज्ञासाओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री द्वारा स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम लागू किया गया है. जिसमें किसी भी आवेदक के व्यक्तिगत प्रश्न जिसमें न्यायालयीन मामले, प्रशासनिक मामले एवं सेवा मामलों के अलावा अन्य मामले संबंधित कार्यालय में निस्तारित नहीं हो पाते हैं, उन मामलों का निबटारा इस कार्यक्रम में किया जायेगा. तदनुसार, मार्च माह में "तालुका स्वागत कार्यक्रम" 27/3/2024 को और "जिला स्वागत कार्यक्रम" 28/3/2024 को आयोजित किया जाएगा। 27 तारीख को सुबह 11:00 बजे सूरत जिला कलेक्टर किसी भी तालुका में मौजूद रहेंगे। मांडवी तालुका में जिला विकास अधिकारी और सूरत ग्रामीण अल्पाड तालुका के पुलिस अधीक्षक मामलतदार के कार्यालय में आयोजित होने वाले 'तालुका स्वागत कार्यक्रम' में उपस्थित रहेंगे और लोगों के प्रश्नों को आमने-सामने सुनेंगे और उनका समाधान करेंगे।

इस कार्यक्रम के तहत ये अधिकारी 24 तारीख को सुबह 11 बजे उस तालुका के मामलतदार कार्यालयों में तालुका स्वागत कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे. जिसमें शहर तालुका में डिप्टी कलेक्टर सिटी प्रांतीय अधिकारी, चोर्यासी में जिला आपूर्ति अधिकारी, ऑलपाड प्रांत में डिप्टी कलेक्टर, बारडोली प्रांत में डिप्टी कलेक्टर, मांडवी-सूरत में उप जिला विकास अधिकारी (विकास), महुवा में उप जिला विकास अधिकारी (राजस्व) शामिल हैं। पलसाना में उप जिला विकास अधिकारी (पंचायत), कामरेज में कामरेज प्रांत के डिप्टी कलेक्टर, मंगरोल, सूरत में डिप्टी कलेक्टर स्टांप ड्यूटी डिवीजन- II और उमरपाड़ा में मांडवी प्रांत के डिप्टी कलेक्टर मौजूद रहेंगे। ग्रामीणों को अपने लंबित प्रश्नों/अनुरोधों को हर महीने की 10 तारीख तक च्तालुका स्वागत में मेरा आवेदन प्राप्त हुआज् शीर्षक के साथ गांव के तलाटी को संबोधित करना होगा। जिसे उस तालुका में तालुका स्वागत कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। जबकि जिला स्तर पर निपटान कार्य के लिए आवेदन जिला स्वागत कार्यक्रम में भेजा जाना चाहिए, ऐसा सूरत निवासी अतिरिक्त कलेक्टर की सूची में कहा गया है।

गुजरात की पहली वीडियो यूरोडायनेमिक सुविधा से लैस अस्पताल में जरूरतमंदों को हर सप्ताह निशुल्क ओपीडी सेवा

सुरत भुमि, सूरत। गुजरात की पहली वीडियो यूरोडायनेमिक्स सुविधा से लैस अत्याधुनिक ऑपरेशन थियेटर की सुविधा से लैस प्रिश मल्टी स्पेश्यालिटी अस्पताल वीआईपी वेसू रोड पर शुरू हुई है। इस अस्पताल में वीडियो यूरोडायनेमिक का उद्घाटन माननीय मंत्री श्री रामदास आठवले के हाथों किया गया। इस अवसर पर अस्पालत की ओर से जरूरतमंदों के लिए हर सप्ताह एक दिन निशुल्क ओपीडी सेवा की घोषणा की गई। अस्पताल में उपलब्ध अद्यतन सुविधा यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का निदान और उपचार करने की पद्धति में एक नई क्रांति लाएगा।

वीडियो यूरोडायनेमिक सुविधा मूत्राशय और लघुशंका की प्रक्रिया का व्यापक मूल्यांकन करने के लिए नई तकनीक और उपकरणों को शामिल करता है। यह अद्यतन डायग्नोस्टिक टूल हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स को यूरिनल की असंयम , वोइडिंग डिस्फक्शन और न्यूरोजेनिक मूत्राशय विकृतियों समेत विभिन्न यूरोलॉजिकल परिस्थितियों के कारणों में विस्तृत आंतरदृष्टि पाने के लिए सक्षम बनाती है। यह टॉकनोलोजी प्रिश मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सकों की टीम को अनुकूल उपचार के योजना बनाने के लिए सशक्त बनाएगी। जिससे क्लीनिकल परिणामों में सुधार होगा और मरीज की देखभाल में बढ़ोतरी होगी। यहां का ऑपरेशन थियेटर अंतराष्ट्रीय सुविधा से लैस है, जो सुनिश्चित करता है कि मरीजों को उनकी सर्जरी के दौरान श्रेष्ठ देखभाल मिले।

प्रिश अस्पताल , दक्षिण गुजरात की अग्रणी स्वास्थ्य देखभाल संस्था प्रत्येक गुरुवार को जरूरतमंदों के लिए निशुल्क ओपीडी सेवा देगी। इस अग्रणी प्रायसो का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य की देखभाल प्रत्येक समाज के लोगों के लिए सुलभ है। उनकी आर्थिक स्थिति को ध्यान में लिए बिना डॉ. सुबोध कांबले एक देशप्रेमी भारतीय होने के साथ अपनी 20साल की लंदन की प्रेक्टिस छोड़कर भारत लौटे हैं। डॉ. सुबोध कांबले देशभक्ति की भावना रखते हैं और अपने भारतीय भाई बहनों की सेवा करने के लिए तत्पर है। उन्होंने फाइव स्टार डिलक्स अस्पताल बनाई है, जो समाज के हर तबके के लिए हैं। लोगों की सेवा करने के मिशन के साथ प्रिश अस्पताल ने सप्ताह में एक दिन निशुल्क ओपीडी के लिए तय किया है।

अस्पताल में गुरुवार को दो सत्र में ओपीडी सेवा उपलब्ध होगी। सुबह 11 से 1 बजे तक समर्पित फैमिली डॉक्टर/ जनरल प्रेक्टिटिशनर और फिजियोथेरेपिस्ट की टीम सलाह देने के लिए उपलब्ध होगी। यह सेशन विशेष तौर पर जरूरतमंदों के लिए होगा। वहीं, शाम 5 से 7बजे तक अस्पताल के चार विशेषज्ञ डॉक्टर मौजूद रहेंगे।

1. डॉ. सुबोध कांबले - अंतराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त यूरोलॉजिस्ट
2. डॉ. जिगर शाह - न्यूरो एंड स्पाइन सर्जन
3. डॉ.अमन खन्ना - कुशल आर्थोपेडिक सर्जन
4., डॉ. परिश्री कपाड़िया - कुशल फिजिशियन और दक्षिण गुजरात की सुपर स्पेशलिटी डिग्री धारक पहली फिजिशियन

इन प्रतिष्ठित चिकित्सको की टीम निश्चित ही जरूरतमंद लोगों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए जरूरी सेवाओं में बढ़ोतरी करेगी। मरीजों को इन विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ परामर्श करने ,सही निदान प्राप्त लगने और उनका मूल्यवान मार्गदर्शन करने का अवसर मिलेगा और वह भी निशुल्क।

प्रिश अस्पताल के सीईओ भारूलता पटेल - कांबले समाज सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और उनका मानना है कि फाइव स्टार डिलक्स सेवा कुछ वर्ग के लिए सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रिश अस्पताल में प्रत्येक व्यक्ति की स्वास्थ देखेरख यह उनका मूलभूत अधिकार होगा। निशुल्क ओपीडी सेवा के जरिए हम इस अंतर को दूर करना चाहते है।

प्रिश अस्पताल की यह पहल उसकी समाज के प्रति जिम्मेदारी और समर्पण को दर्शाती है। प्रत्येक गुरुवार को निशुल्क ओपीडी सेवा की घोषणा कर जरूरतमंदों की सेवा करना है। प्रिश अस्पताल मरीजों को सर्वोच्च गुणवत्तायुक्त स्वास्थ सेवा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और हमारे इस जश्न में मंत्री श्री रामदास आठवले का सहयोग मिलने से हम उत्साहित है। हम श्रेष्ठता और करुणा के साथ समाज सेवा के लिए तत्पर है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)